twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan
RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 26 अप्रैल, 2025 | वर्षः 12, अंकः 169, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं देंगे: केंद्र सरकार

सिंधु जल समझौता स्थगित करने का फैसला 3 फेज में होगा, 3 तरह की रणनीति बन रही

नई दिल्ली
केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र ने भारतीय नदियों का पानी पाकिस्तान जाने से रोकने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है, जो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक अहम बैठक के बाद तैयार हुआ। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि तत्काल कदम उठाए जा रहे हैं, जिसमें नदियों की गाद निकालने जैसे उपाय शामिल हैं। पाटिल ने मीडिया से बातचीत में कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक में एक रोडमैप तैयार किया गया। बैठक में तीन विकल्पों पर चर्चा हुई। सरकार अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक उपायों पर काम कर रही है, ताकि पाकिस्तान को एक बूंद भी पानी न मिले। जल्द ही नदियों की गाद निकाली जाएगी ताकि पानी रोका जा सके और उसे मोड़ा जा सके।

सिंधु जल संधि जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे अन्यायपूर्ण दस्तावेजः उमर अब्दुल्ला

यह कदम पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। इसी बीच, सिंधु जल संधि पर अपनी कड़ी असहमति जताते हुए जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षर की गई यह संधि 'जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए सबसे अन्यायपूर्ण दस्तावेज' है। अब्दुल्ला ने कहा, भारत सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। जम्मू और कश्मीर के संदर्भ में हम कभी भी सिंधु जल संधि के पक्षधर नहीं रहे हैं। हम हमेशा मानते हैं कि सिंधु जल संधि जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए सबसे अन्यायपूर्ण दस्तावेज रही है। मुख्यमंत्री ने अमित शाह से अन्य राज्यों में जम्मू और कश्मीर के लोगों की सुरक्षा के बारे में मिले आश्वासन पर भी बात की।

उन्होंने कहा, दुख की बात है कि यह हमला हुआ। हमने सुनिश्चित किया कि जो भी मुद्दे बैठक में हमारे ध्यान में लाए गए, हम उन पर काम करेंगे। इस बैठक के दौरान, मैंने केंद्रीय गृह मंत्री से बात की और उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि जम्मू और कश्मीर के जो लोग अन्य राज्यों में रह रहे हैं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। गृह मंत्रालय की ओर से एक एडवाइजरी जारी की जाएगी और केंद्रीय मंत्री ने कई राज्यों के मुख्यमंत्री से भी बात की है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा समिति की बैठक में भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तब तक निलंबित करने का निर्णय लिया, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन समाप्त नहीं करता।

पहलगामः दिल्ली के बाजारों में पसरा सन्नाटा

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में व्यापारियों द्वारा आहूत 'दिल्ली बंद' के कारण शुक्रवार को कनॉट प्लेस, सदर बाजार, गफ्फार मार्केट और चांदनी चौक समेत 900 से अधिक बाजार वीरान रहे। कपड़ा, मसाले, बर्तन और सरार्फा जैसे क्षेत्रों के विभिन्न व्यापारी संघों ने भी अपनी दुकानें बंद रखीं। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (सीएआईटी) के अनुसार, दिल्ली में 8 लाख से अधिक दुकानें बंद रहीं, जिसके परिणामस्वरूप दिन भर में लगभग 1,500 करोड़ रुपये का व्यापार नुकसान होने का अनुमान है। गुरुवार को चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने बंद का आह्वान किया था। इसने हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए कनॉट प्लेस में कैंडल मार्च भी निकाला था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने शुक्रवार को कहा, "यह सिर्फ एक विरोध प्रदर्शन नहीं है, यह आतंकवाद के खिलाफ एक सामूहिक गुस्सा है। हम सभी इस मुद्दे पर एकजुट हैं और पहलगाम में अपनी जान गंवाने वालों की याद में बंद का आयोजन कर रहे हैं।"

भारत ने आईएनएस सूरत के बाद किया हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण

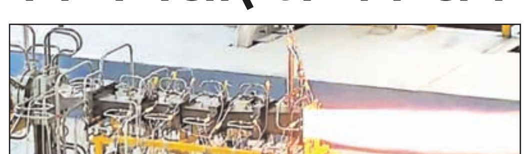

नई दिल्ली
भारत ने लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। स्क्रैमजेट इंजन के एक्टिव कूल्ड कम्बस्?टर का जमीन पर 100 सेकंड तक सफल परीक्षण किया है। हाइपरसोनिक मिसाइलें ध्वनि की गति से पांच गुना ज्यादा तेजी से उड़ती हैं। यानी ये मिसाइलें Mach 5 से भी तेज होती हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की हैदराबाद स्थित प्रयोगशाला रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने हाइपरसोनिक हथियार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दुनिया की बड़ी ताकतें इन मिसाइलों को बनाने में जुटी हैं क्योंकि ये मौजूदा मिसाइल और हवाई सुरक्षा प्रणालियों को चकमा दे सकती हैं। मिसाइल की खासियत है कि इसकी तेज रफ्तार, बेहतरीन कंट्रोल और कम ऊंचाई पर उड़ान भरने की क्षमता। इससे पहले गुरुवार को भारतीय नौसेना ने अपने बनाए स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस सूरत ने समुद्र में तेजी से उड़ाने वाले टारगेट पर सटीक हमला किया है।

आतंकियों को चुन-चुनकर मारे भारत, हम साथ देंगेः अमेरिका

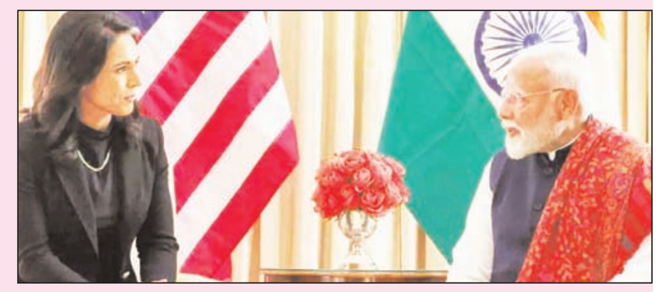

नई दिल्ली
पहलगाम आतंकी हमले पर अमेरिकी सहित ज्यादातर देशों ने चिंता जाहिर की है। दुनिया के ज्यादातर देशों ने इस हमले के बाद भारत के प्रति सहानुभूति जाहिर की। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने पहलगाम हमले की निंदा करते हुए भारत की मदद करने की बात कही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,"हम पहलगाम में 26 हिंदुओं को निशाना बनाकर किए गए भीषण इस्लामी आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरी प्रार्थनाएं और गहरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के सभी लोगों के साथ हैं। हम आपके साथ हैं और इस जघन्य हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ने में आपका समर्थन करते हैं। बता दें कि दुनिया के ज्यादातर देशों ने इस घटना पर चिंता जाहिर की है। कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने पीएम मोदी के साथ फोन पर बातचीत की और हमले पर चिंता जाहिर की।

ब्रिटेन ने की हमले की निंदा

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी शुक्रवार को पहलगाम आतंकी हमले पर को 'वीभत्स' घटना करार दिया है। स्टारमर ने ब्रिटिश लोगों की ओर से अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने पर सहमति जताई।

पाकिस्तानियों को खोजो और वापस भेजोः अमित शाह

नई दिल्ली
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से टेलीफोन पर बात की है। सूत्रों ने बताया कि चर्चा के दौरान अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा है। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत ने 23 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक में किए गए निर्णयों के क्रम में भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल तक वैध रहेंगे। वर्तमान में भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को संशोधित वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ना होगा। इसी क्रम में पाकिस्तान में रह रहे भारतीयों को जल्द से जल्द स्वदेश लौटने को कहा गया है। बता दें कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से केंद्र की मोदी सरकार लगातार एक्शन मोड़ में हैं।

ब्रिटेन के संसद में आतंकी हमले की गूंज

लंदन। ब्रिटेन की संसद में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की गूंज गुरुवार को सुनाई दी। स्लॉ से सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने अपने भाषण में नागरिकों पर हुए आतंकी हमले पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि वह पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई है। सांसद धेसी ने अपने भाषण को एक्स पर साझा किया है। हम इस सप्ताह पोप फ्रांसिस के निधन का शोक मना रहे हैं, लेकिन मैं इस सप्ताह जम्मू-कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर कायरतापूर्ण, घातक, चौंकाने वाले आतंकवादी हमले से भी बहुत दुखी हूं। पीड़ितों के परिवार मेरी प्रार्थनाओं में हैं।

शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने को कहा

पाकिस्तान के सभी तरह के वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला लिया गया है। शाह ने मुख्यमंत्रियों से लोगों की शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को भी कहा है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अपने आवास पर सिंधु जल संधि को लेकर बैठक भी किया। इस बैठक में गृह मंत्री और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के अलावा अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि कि भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बारे में पाकिस्तान को औपचारिक रूप से लिखित रूप से सूचित कर दिया है जल शक्ति मंत्रालय की सचिव देवश्री मुखर्जी ने पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा को एक पत्र के जरिए भारत सरकार के इस फैसले की जानकारी दी है।

हिसार में रह रहे पाकिस्तानी परिवार को दिल्ली कैंप भेजा

चंडीगढ़
हरियाणा में हिसार के बालसमंद से एक पाकिस्तानी हिंदू परिवार को दिल्ली भेज दिया गया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इस परिवार में कुल 15 सदस्य हैं। परिवार पिछले 7 महीने से बालसमंद में रह रहा था। परिवार में 3 लड़कियां, 8 बच्चे, 3 महिलाएं और एक बुजुर्ग शामिल हैं। ये सभी पाकिस्तान के सिंध हैदराबाद से आए थे। परिवार एक अक्टूबर 2024 को वीजा समाप्त होने के बाद भी यहीं रह रहा था। परिवार एक निजी अस्पताल की जमीन पर बने कमरे में रह रहा था। सभी सदस्य खेतों में दिहाड़ी मजदूरी करके अपना गुजारा कर रहे थे। परिवार ने खुद को हिंदू बताया था।परिवार का कहना है कि वे पाकिस्तान वापस नहीं जाना चाहते। उनका आरोप है कि पाकिस्तान में उन्हें बहुत प्रताड़ित किया जाता है। वे भारत में ही रहना चाहते हैं। हिसार पुलिस ने पूरे परिवार को बस में बिठाकर दिल्ली स्थित पाकिस्तानी कैंप में भेज दिया है।

हाई अलर्ट पर पुलिस

नई दिल्लीः पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर राजस्थान और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। राजस्थान में पाकिस्तान की सीमा से सटे श्रीगंगानगर जिले में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए हैं। श्रीगंगानगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव यादव ने स्थानीय अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया है।

श्रीगंगानगर में पुलिस अलर्ट

एसपी गौरव यादव ने बताया कि श्रीगंगानगर जिला अतंरर्राष्ट्रीय सीमा पर है और बेहद संवेदनशील इलाका है।

कोर्ट को वैधानिक मामलों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं: केंद्र

नई दिल्ली
वक्फ अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों की एंट्री पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। वहीं, अब कोर्ट के अंतरिम आदेश पर केंद्र सरकार ने चुप्पी तोड़ी है। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का सख्त विरोध किया है।
सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए केंद्र सरकार ने कहा कि अदालत को वैधानिक प्रावधानों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक लगाने का कोई अधिकार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ में गैर मुस्लिमों की एंट्री पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश जारी किया था। कोर्ट के अनुसार, केंद्र के जवाब देने तक वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की एंट्री नहीं होगी। आज इसी मामले पर कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि यह एक वैधानिक मामला है, जिसमें कोर्ट को रोक लगाने का अधिकार नहीं है।

केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में कहा-

संसद द्वारा बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। ऐसे में अंतरिम रोक शक्ति संतुलन के सिद्धांतों के खिलाफ है। यह कानून संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों पर बनाया गया है, जिसके बाद दोनों सदनों में कई घंटों की बहस हुई और फिर इस कानून को पास किया गया था।

केंद्र सरकार ने दिया जवाब

केंद्र सरकार के अनुसार, निस्संदेह सर्वोच्च न्यायालय के पास संवैधानिकता की जांच करने का अधिकार है। हालांकि, अंतरिम चरण में किसी भी प्रावधान पर रोक लगाना सही नहीं है। केंद्र सरकार का कहना है कि वक्फ अधिनियम को लेकर कोर्ट में जो भी याचिकाएं दायर हैं, उनमें किसी भी व्यक्तिगत मामले में अन्याय की शिकायत नहीं की गई है। इसलिए अंतरिम आदेश के जरिए कोई भी सरंक्षण नहीं दिया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में दायर हैं 5 याचिकाएं

बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय में वक्फ अधिनियम को चुनौती देने के लिए पांच याचिकाएं दायर की गईं थीं। इनमें गैर मुस्लिम सदस्यों की वक्फ में परिषद में एंट्री और केवल मुसलमानों द्वारा ही वक्फ को दान किए जाने के प्रावधानों को चुनौती मिली थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

गंभीर था विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र से जवाब मांगा था। ऐसे में सत्तापक्ष के कई नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट पर कार्यपालिका के कामकाज में दखल देने का आरोप लगाया था। इसके बाद पश्चिम बंगाल हिंसा मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कटाक्ष करते हुए कहा था कि हम पहले ही आरोप लग रहे हैं।

सावरकरः सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को लगाई फटकार

नई दिल्ली। विनायक दामोदर सावरकर पर गलत टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई है। महाराष्ट्र में एक रैली के दौरान सावरकर पर राहुल गांधी ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसकी सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी निंदा की। हालांकि, कोर्ट ने राहुल पर आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और मनमोहन की पीठ ने कहा कि हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। पीठ ने गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा कि क्या उन्हें पता है कि महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों को लिखे अपने संदेश में "आपका वफादार सेवक" जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। जब सिंघवी ने तर्क दिया कि गांधी के खिलाफ शत्रुता और सार्वजनिक उत्पात को बढ़ावा देने के आरोप नहीं बनते, तो पीठ ने टिप्पणी की, "आप बहुत आज्ञाकारी हैं...क्या आपके मुवक्किल को पता है कि महात्मा गांधी ने भी वायसराय को संबोधित करते समय 'आपका वफादार सेवक' का इस्तेमाल किया था? क्या महात्मा गांधी को केवल इसलिए 'अंग्रेजों का सेवक' कहा जा सकता है क्योंकि उन्होंने खुद को वायसराय को 'आपका सेवक' कहकर संबोधित किया था।

यूपी बोर्डः सिक्योरिटी गार्ड, मजदूर और किसान के बच्चों ने रचा इतिहास

हाई स्कूल में 90.11% छात्र पास हुए, इंटरमीडिएट में 81.15% छात्र पास हुए, जालौन के रहने वाले यश प्रताप सिंह ने 97.83 प्रतिशत अंक के साथ टॉप किया

प्रयागराज
उत्तर प्रदेश माध्यमिक बोर्ड परिषद ने यूपी बोर्ड 10वीं और 12वीं का परिणाम जारी कर दिया है। हाई स्कूल में 90.11% छात्र पास हुए हैं। वहीं, इंटरमीडिएट में 81.15% छात्र पास हुए। हाईस्कूल में जालौन के रहने वाले यश प्रताप सिंह ने 97.83 प्रतिशत अंक के साथ टॉप किया है। इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रयागराज की महक जायसवाल ने टॉप किया है।

सिक्योरिटी गार्ड की बेटी ने हासिल की टॉप-10 में जगह

मीरजापुर में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा के नतीजों में चुनार के कुसुम्ही गांव की दिव्या प्रजापति ने 94.67% अंक हासिल कर जिले की मेरिट सूची में चौथा स्थान प्राप्त किया। पारसनाथ सिंह शांति देवी इंटर कॉलेज, बार अ्रीूश्ल्ल की छात्रा दिव्या के पिता सीताराम प्रजापति छत्तीसगढ़ में सिक्योरिटी गार्ड हैं, जबकि मां शांति प्रजापति गृहिणी हैं। बिना किसी कोचिंग के, स्कूल के शिक्षकों के मार्गदर्शन और रोजाना 7-8 घंटे की मेहनत से दिव्या ने यह मुकाम हासिल किया। चिकित्सक बनने का सपना संजोने वाली दिव्या का कहना है कि थोड़ी और मेहनत से वह और बेहतर कर सकती थी। स्कूल प्रबंधक डॉ. विजय सिंह और प्रधानाचार्या सारिका सिंह ने उन्हें सम्मानित किया। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, स्कूल और पूरा जिला गर्व महसूस कर रहा है।

मजदूर की बेटी ने इंटरमीडिएट में बनाया रिकॉर्ड

इटावा के भरथना की स्नेहा मिश्रा ने यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रदेश में छठा स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। ज्ञान स्थली इंटर कॉलेज की इस छात्रा के पिता रविकांत मिश्रा शटरिंग मजदूर हैं और मां सीमा मिश्रा गृहिणी। स्नेहा ने सुबह 4 बजे से पढ़ाई और शिक्षकों के सहयोग से यह उपलब्धि हासिल की। इंजीनियर बनने की ख्वाहिश रखने वाली स्नेहा का कहना है कि रोजाना पढ़ाई और शिक्षकों के मार्गदर्शन से सफलता मिली। इस अप्रत्याशित उपलब्धि को वह सपने जैसा मानती हैं।

किसान के बेटे ने हाईस्कूल में प्रदेश में पाया 9वां स्थान

फतेहपुर में जनकदुलारी इंटर कॉलेज, हुसेनगंज के छात्र श्रेयांश ने यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में 96.50% अंक हासिल कर प्रदेश में 9वां स्थान प्राप्त किया। सिमौरा गांव के किसान ठाकुरदीन और गृहिणी मां रामरती देवी के बेटे श्रेयांश ने रोजाना 7-8 घंटे पढ़ाई की। भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता सत्यप्रकाश ने किताबें, स्टेशनरी और अतिरिक्त कक्षाओं के जरिए उनकी मदद की। श्रेयांश ने मुफ्त ऑनलाइन क्लास 'ज्ञानोदय' का भी सहारा लिया। भविष्य में आयकर अधिकारी बनने का लक्ष्य रखने वाले श्रेयांश की सफलता पर उनकी बहनें नंदिनी और मीरा देवी भी खुश हैं।

मदरसा शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की जरूरतः सीएम

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मदरसा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधारों की आवश्यकता जताई है। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की मदरसा शिक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मदरसा, महज मजहबी शिक्षा के केंद्र बनकर न रह जाएं। वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के सभी आयामों का लाभ मिलना चाहिए।

मदरसा शिक्षा को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक बनाया जाना चाहिए। हर एक विद्यार्थी का भविष्य उज्ज्वल हो, यह सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल सुधार नहीं, बल्कि नवाचार और समावेशिता के माध्यम से मदरसा शिक्षा को मुख्यधारा में लाना है।

मदरसों को मान्यता देने के लिए कड़ाई से नियमों का हो पालन : मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मदरसा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधारों की आवश्यकता जताई है। एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की मदरसा शिक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मदरसा, महज मजहबी शिक्षा के केंद्र बनकर न रह जाएं। वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के सभी आयामों का लाभ मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मदरसा शिक्षा को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक बनाया जाना चाहिए। हर एक विद्यार्थी का भविष्य उज्ज्वल हो, यह सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का उद्देश्य केवल सुधार नहीं, बल्कि नवाचार और समावेशिता के माध्यम से मदरसा शिक्षा को मुख्यधारा में लाना है, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और समुचित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा बोर्ड की कामिल (स्नातक) व फाजिल (परास्नातक) स्तर की डिग्रियों को असंवैधानिक घोषित कर दिये जाने से चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। इसी प्रकार, मान्यता के मानक एवं शर्तों को शिक्षा विभाग के स्कूलों के समरूप बनाने तथा नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मदरसों के पाठ्यक्रम में बदलाव और पाठ्यक्रम

के अनुरूप शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मियों की अर्हता में परिवर्तन आवश्यक है। यही नहीं, शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को भी निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की जरूरत है। वर्तमान व्यवस्था में मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी पुनरीक्षण की आवश्यकता है। ऐसे में उ.प्र. अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए, जिसमें बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, वित्त, न्याय एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के विशेष सचिव सदस्य हों। यह समिति मदरसों के सुचारू संचालन और शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक बदलावों पर अपनी संस्तुति देगी। इससे पहले बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मदरसों की वर्तमान स्थिति, प्रमुख चुनौतियां तथा भावी कार्ययोजना पर विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश में वर्तमान समय में कुल 13,329 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हैं, जिनमें 12,35,400 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इन मदरसों में 9,979 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 8) तथा 3,350 माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर (कक्षा 9 से 12) के हैं। इनमें से 561 मदरसे राज्य सरकार से अनुदानित हैं, जिनमें कुल 2,31,806 छात्र पंजीकृत हैं। अनुदानित मदरसों में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमशः 9889 और 8367 है।

सेना ने पाकिस्तान की फायरिंग का दिया करारा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उत्पन्न तनाव की स्थिति के बीच भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की फायरिंग का करारा जवाब दिया है। सेना सूत्रों ने शुक्रवार सुबह बताया कि पाकिस्तानी सेना ने उकसावे की कार्रवाई करते हुए नियंत्रण रेखा पर कुछ जगह पर छोटे हथियारों से फायरिंग की। भारतीय सेना ने इस कार्रवाई का करारा जवाब दिया है। अभी तक फायरिंग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। विस्तृत ब्यौरे की प्रतीक्षा है।

कन्हैयालाल हत्याकांड की तरह नीरज उधवानी के परिवार को मिले मुआवजाः गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जयपुर के नीरज उधवानी की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि उधवानी के परिवार को भी उसी तरह का मुआवजा दिया जाए, जैसा उनकी सरकार ने उदयपुर में कन्हैयालाल साहू हत्याकांड के पीड़ित परिवार को दिया था। गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार के समय उदयपुर में आतंकी वारदात में कन्हैयालाल साहू की हत्या की गई थी। उस घटना के पीड़ित परिवार को संबल देने के लिए उनकी सरकार ने 50 लाख रुपये का मुआवजा और उनके दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दी थी। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पहलगाम में जान गंवाने वाले नीरज उधवानी के परिजनों को भी कम से कम इसी प्रकार का पैकेज दिया जाए, जिससे उन पर आश्रित उनकी पत्नी को सहारा मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और अन्य राज्य सरकारों से भी अपील की कि वे पीड़ित परिवारों के लिए ऐसी पहल करें। उन्होंने कहा कि आतंकी हमलों में अपनों को खोने वाले परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत करना सरकार की जिम्मेदारी है। गहलोत ने कहा कि कन्हैयालाल साहू हत्याकांड के समय उनकी सरकार ने पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि इसी तरह, नीरज उधवानी के परिवार को भी न्याय मिलना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने इस दुखद घटना में उधवानी के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया।

सिंधु जल संधि पर रोक से पश्चिमोत्तर भारत को होगा लाभ

नई दिल्ली। सिंधु जल संधि पर रोक से लाभ से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत पूरे पश्चिमोत्तर भारत को लाभ होगा, लेकिन इसके लिए पूरे क्षेत्र में नहरों का जाल बिछाना होगा। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के साथ वर्ष 1960 से चली आ रही जल संधि पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है और संबंधित बांध से पानी पाकिस्तान क्षेत्र में जाने से रोक दिया गया है।

इसके लिए जलशक्ति मंत्रालय की सचिव देवश्री मुखर्जी ने पाकिस्तान को सिंधु जल संधि पर रोक लगाने की फैसले की औपचारिक सूचना एक पत्र द्वारा दे दी है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार जलसंधि पर रोक लगाने के फैसले का क्रियान्वयन करने लिए उच्च स्तर पर बैठकों का दौर जारी है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने तगातार बैठक कर रहे हैं। जानकार सूत्रों का कहना है कि अगले दस दिन में पाकिस्तान की ओर जाने वाले जल प्रवाह को रोक दिया जाएगा। पंजाब में चेनाब नदी पर बालीघर और साल जल विद्युत परियोजना का पानी पूरी तरह से रोक दिया गया है। जानकारों का कहना है कि यह संधि पाकिस्तान के पक्ष में है और भारत को उसकी आवश्यकताओं तथा हितों के अनुरूप नदियों का जल नहीं मिल पाता है। संधि के अनुसार भारत रावी, ब्यास और सतलुज का जल प्रबंधन करता है जबकि पाकिस्तान सिंधु, झेलम और चेनाब का प्रबंध करता है। यह सभी नदियां पाकिस्तान में प्रवेश करती हैं। इससे अधिकतर जल पाकिस्तान के हिस्से में जाता है। दोनों देश जल वितरण के लिए एक-एक आयुक्त की नियुक्ति करते हैं और इसकी नियमित बैठकर होती है। हालांकि पिछले लगभग तीन साल से उनकी कोई बैठक नहीं हुई है।जानकारों का कहना है कि सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के फैसले का पाकिस्तान और भारत पर अलग-अलग असर होगा। यदि भारत इन नदियों का जल का प्रबंध नहीं करें तो पाकिस्तान के 60 प्रतिशत आबादी को भयंकर बाढ़ का सामना करना होगा। दूसरी ओर भारत में नदियों का जल रोकने लेने से पश्चिमोत्तर भारत में पानी का संकट दूर किया जा सकता है। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए भारत को व्यापक स्तर पर जल वितरण का बुनियादी ढांचा विकसित करना होगा।इसके लिए पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तरप्रदेश, राजस्थान और गुजरात तक नहरों और बांघों का जाल बिछाना होगा।

सेना प्रमुख ने उपराज्यपाल से आतंकवाद का बुनियादी ढांचा कुचलने पर की चर्चा

'आतंकवाद के बुनियादी ढांचे और इसके पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के प्रयास तेज करने होंगे।'

एजेंसी

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद श्रीनगर के दौरे पर पहुंचे सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और अन्य अधिकारियों से साथ बैठक करके सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। उपराज्यपाल ने सेना प्रमुख से पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा। साथ ही यह भी कहा कि आतंकवाद के बुनियादी ढांचे और इसके पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के प्रयास तेज करने होंगे। बैठक में

चर्चा के दौरान उपराज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र को हमारी सेना, पुलिस और सीएपीएफ की बहादुरी और पराक्रम पर पूरा भरोसा है।उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम हमले के अपराधियों, समर्थकों और ओजीडब्ल्यू की पहचान करने, पूरी श्रृंखला का निरंतर तरीके से पीछा करने और उन्हें मार गिराने के लिए घनिष्ठ तालमेल में काम करना चाहिए। उपराज्यपाल ने शीर्ष सैन्य अधिकारी से कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के हर अपराधी और समर्थक की तलाश की जानी चाहिए।

उन्हें हमारे नागरिकों के खिलाफ कायरतापूर्ण और नृशंस कृत्य की भारी कीमत चुकानी होगी। बैठक में मौजूद सुरक्षा तंत्र, विभिन्न अल्पकालिक, दीर्घकालिक उपायों और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच एकीकरण और समन्वय की भी समीक्षा की गई। बैठक में सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिन्द्र कुमार, उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और 15वीं कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव शामिल हुए।

बहराइच में दम घुटने से पांच मरे,तीन गंभीर

एजेंसी

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के दरगाह क्षेत्र में शुक्रवार सुबह में एक राइस मिल के ड्रायर से उठे धुएँ से दम घुटने के कारण पांच लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रुप से बीमार हो गये जिन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दरगाह थाना क्षेत्र में स्थित राजगढ़िया फूड नाम की फैक्ट्री में शुक्रवार की सुबह अचानक ड्रायर से धुआं उठने पर हड़कंप मच गया । इसकी जानकारी होने पर फैक्ट्री में काम कर रहे लोग आग लगने की आशंका से उसे बुझाने के लिए गए कि तभी दम घुटने से आठ लोग बेहोश हो गए । आनन फानन में सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया , जहां परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया , वही तीन का इलाज जारी है । मृतकों की पहचान कन्नौज के गडवना सौर्य

निवासी गफ्फार अली (40), बबलू (28), राजनेश कुमार (35), श्रावस्ती के सिरसिया निवासी ज़हूर (50) और बिहार के बिहारीगंज मदेहपुरा निवासी बिट्टू शाह (30) के रूप में हुई है। वहीं सुखदेव, देवी प्रसाद और सुरेंद्र शुक्ला का इलाज मेडिकल कालेज की इमरजेंसी में जारी हैं।

कस्तूरीरंगन के राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा : प्रधानमंत्री

● **'मैं भारत की वैज्ञानिक और शैक्षिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन से बहुत दुखी हूं।'**

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर दुख जताया और कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कस्तूरीरंगन के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए पोस्ट किया, 'मैं भारत की वैज्ञानिक और शैक्षिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन से बहुत दुखी हूं। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने इसरो में बहुत मेहनत से काम किया, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया,

जिसके लिए हमें वैश्विक मान्यता भी मिली।

उनके नेतृत्व में महत्वाकांक्षी उपग्रह प्रक्षेपण भी हुए और नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया गया उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रारूपण के दौरान और भारत में शिक्षा को अधिक समग्र और दूरदर्शी बनाने के लिए डॉ. कस्तूरीरंगन के प्रयासों के लिए भारत हमेशा उनका आभारी रहेगा। वे कई युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए एक उत्कृष्ट मार्गदर्शक भी थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, छात्रों, वैज्ञानिकों और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।

यूपी बोर्ड परीक्षा में बेटियों ने लहराया परचम

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडियेट परीक्षा परिणामों में छात्राओं ने परचम लहराया है। हाईस्कूल में जालौन के यश प्रताप सिंह ने 97.83 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में टॉप किया है वहीं इंटरमीडियेट परीक्षा में प्रयागराज की महक जायसवाल 97.2 प्रतिशत अंकों के साथ राज्य में प्रथम स्थान पर आयी हैं।

बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में 90.11 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुये हैं जिनमें छात्राओं के उत्तीर्ण का प्रतिशत 93.87 और छात्रों का 86.66 प्रतिशत है वहीं इंटरमीडियेट परीक्षा में 81.85 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुये हैं। इनमें छात्राओं का प्रतिशत 86.37 और छात्रों का 76.60 प्रतिशत है। हाईस्कूल परीक्षा में जालौन के आरकेडी इंटर कालेज उमरी के यश प्रताप ने 600 में से

587 अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है वहीं इटावा के शिवाजी एस एन इंटर कालेज की अंशी 600 में से 586 अंक और बाराबंकी के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज रामसनेहीघाट के अभिषेक यादव इतने ही अंक पाकर संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर हैं। इंटरमीडियेट में प्रयागराज के बछछा राम यादव इंटर कालेज, बुलाठी का पुरा की महक जायसवाल ने 500 में से 486 अंक प्राप्त किये हैं जबकि अमरोहा में श्री नारायण सरस्वती इंटर कालेज गजरौला की साक्षी ने 500 में 484 अंक और सुल्तानपुर में कादीपुर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र आदर्श यादव इतने ही अंकों के साथ संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकारा, वीर सावरकर पर दिए बयान को बताया गैर-जिम्मेदाराना

सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर पर दिए गए राहुल गांधी के विवादित बयान पर कहा कि देश के स्वतंत्रता सेनानियों को लेकर गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को राहत भी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इतिहास को समझे बिना राहुल गांधी इस तरह के बयान नहीं दे सकते हैं। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा, 'यदि भविष्य

में इस प्रकार की टिप्पणी फिर से की गई, तो सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई करेगा।' कोर्ट ने आगे कहा, 'आप उन लोगों के बारे में कैसे ऐसा कह सकते हैं, जिन्होंने हमें आजादी दिलाई? कल को आप महात्मा गांधी को लेकर भी कुछ कह देंगे, क्योंकि उन्होंने सावरकर के लिए 'फेथफुल सर्वेंट' लिखा था?' सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि महात्मा गांधी ने सावरकर को सम्मान दिया था और राहुल गांधी की दादी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी उन्हें एक पत्र लिखा था। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि आप महाराष्ट्र जाकर इस तरह के बयान देते हैं, जहां वीर सावरकर की 'पूजा' होती है।

आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। आप क्यों इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं? यह मामला 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल गांधी के महाराष्ट्र में दिए गए विवादित बयान से जुड़ा है। उन्होंने सावरकर को लेकर विवादित टिप्पणी की थी और कहा था कि वह अंग्रेजों से पेंशन लेते थे।

शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से पाकिस्तानी नागरिकों की सूचना देने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ चौतरफा कदम उठा रही केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों से उनके यहां पाकिस्तानी नागरिकों की जल्द से जल्द पहचान करने को कहा है जिससे कि उन्हें वापस भेजा जा सके। सूत्रों के अनुसार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर उनसे अपने राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने को कहा है। श्री शाह ने इन लोगों की पहचान कर इन्हें वापस भेजने की कार्रवाई शुरू करने को भी कहा है। उन्होंने राज्यों से इसकी जानकारी केन्द्र सरकार को भी देने को कहा है जिससे कि पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द किये जा सकें और उन्हें जल्द वापस भेजा जा सके।

श्री शाह ने पहलगाम हमले के दिन ही श्रीनगर जाकर हालात का

जायजा लिया था और स्थिति की समीक्षा की थी। इसके बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कई स्तर पर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया था।

खापों के सहयोग से युवा नशे से हो सकता है मुक्त : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खापों का हमारे समाज में विशेष प्रभाव रहा है। युवा खापों से संस्कार सीखते रहे हैं, इसीलिए खाप युवाओं को नशे से मुक्ति में अहम योगदान दे सकती हैं। यह एक ऐसा गंभीर विषय है, जिसके पूरे समाज पर दुष्प्रभाव आ रहे हैं। नशे के खात्मे के लिए उनसे व सरकार से खापें जितना भी सहयोग चाहेंगी, वह दिया जाएगा। मुख्यमंत्री जींद में साइक्लोथॉन यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में हरियाणा के खाप प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि खाप प्रतिनिधि एक मुहिम चलाएं और युवाओं को नशे से दूर रखें और नशामुक्त हरियाणा बनाने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन यात्रा एक जागरूकता का प्रयास है,

लेकिन इसके पीछे एक बडा उद्देश्य नशे को खत्म करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने युवा को नशे की बुरी लत से बचाना है हमने अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ना है ताकि वे खेलों में अधिक से अधिक पदक ला कर हरियाणा का नाम देश और विदेश में रोशन करें। खाप प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें बुलाने तथा मान-सम्मान देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। साथ ही मुख्यमंत्री के सरल एवं हंसमुख स्वभाव की सराहना की। खाप प्रतिनिधियों ने कई विषयों पर एक-एक करके अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने भी हर बात को ध्यान से सुना और उस पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायतों की मांग पर अनेक सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की । इसके साथ ही उन्होंने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन खोलने की भी मांग रखी। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, विधायक रामकुमार गौतम सहित अन्य खाप प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के दिन शनिवार को रहेगा राजकीय शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने 26 अप्रैल को कैथोलिक धर्म गुरु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के दिन पूरे देश में राजकीय शोक मनाये जाने की घोषणा की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय का कहना है कि राजकीय शोक के तहत 26 अप्रैल को पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। इस दिन आधिकारिक तौर पर मनोरंजन का कोई कार्यक्रम नहीं होगा।सरकार ने पोप फ्रांसिस के निधन पर सम्मान स्वरूप तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की थी। उनके निधन के अगले दो दिन 22 और 23 अप्रैल को राजकीय शोक मनाया गया। वहीं 26 अप्रैल को उनके अंतिम संस्कार के दिन अंतिम दिन का शोक रहेगा। उल्लेखनीय है कि पोप फ्रांसिस का 21 अप्रैल को वेटिकन सिटी के डोमस सैंक्टे मार्थे में निधन हो गया था। वह 88 वर्ष के थे। 26 अप्रैल को पोप फ्रांसिस को रोम में सांता मारिया मैगीगोर के बेसिलिका में दफनाया जाएगा।

पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों पर नहीं लागू होगा वीजा प्रतिबंधः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत सरकार द्वारा हाल ही में पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं रद्द किए जाने के फैसले को अधिक स्पष्ट करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह प्रतिबंध भारत में रह रहे हिंदू शरणार्थियों पर लागू नहीं होगा। मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'भारत सरकार द्वारा दिनांक 24 अप्रैल 2025 को लिए गए वीजा रद्द करने के निर्णय का स्पष्ट उल्लेख यह है कि यह प्रतिबंध उन पाकिस्तानी हिंदू नागरिकों पर लागू नहीं होता जिन्हें पहले से वैध दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) जारी किया गया है।' सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि एलटीवी धारकों के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं, जिससे कि उनके निवास, शिक्षा और चिकित्सा से जुड़े कार्यों में कोई बाधा न आए। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते राजनयिक तनाव के मद्देनजर भारत ने 24 अप्रैल को पाकिस्तानी नागरिकों के लिए नई वीजा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी थीं। इस निर्णय के बाद यह चिंता सामने आई थी कि कहीं इसका प्रभाव उन हिंदू शरणार्थियों पर न पड़े, जो पहले से ही भारत में शांति और सुरक्षा की तलाश में बसे हुए हैं। ऐसे में विदेश मंत्रालय की यह सफाई अब इन समुदायों के लिए राहत का संकेत मानी जा रही है।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली की तैयारी, 26 अप्रैल को बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे के नेतृत्व में 28 अप्रैल को जयपुर में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली को सफल बनाने के लिए जिला कांग्रेस ने 26 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे श्याम सरोवर में एक अति आवश्यक बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रीरामजीलाल ओढ़ करेंगे, और इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी इंद्राज गुर्जर, सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पूर्व जिला प्रमुख, वर्तमान जिला प्रमुख सहित कांग्रेस के सभी अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकारिणी के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, नगर अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, इकाई अध्यक्ष, सभापति, प्रधान, महिला कांग्रेस और उनके कार्यकारिणी के सदस्य और कांग्रेस कार्यकर्ता भी बैठक में शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य रैली की तैयारियों की समीक्षा करना और सभी कार्यकर्ताओं को रैली के सफल आयोजन में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है।

एनआईए अदालत ने की परिवार से बात करने की तहव्वुर राणा की अर्जी खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 26/11 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अर्जी खारिज कर दी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मामलों के विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद राणा की अर्जी खारिज कर दी। राणा के वकील ने विशेष एनआईए अदालत के समक्ष अर्जी दायर कर अदालत से उसे अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अनुमति मांगी थी। उन्होंने कहा था कि उनके परिवार को उनकी चिंता होगी, इसलिए यह उनका मौलिक अधिकार है और उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए। एनआईए ने इसका विरोध करते हुए कहा कि अगर राणा की अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अर्जी मंजूर की जाती है, तो वह मामले से जुड़ी अहम जानकारी साझा कर सकता है। उन्होंने कहा कि जांच इस समय अहम चरण में है और फिलहाल उसे परिजनों से बात करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।विशेष अदालत ने इससे पहले पूरी साजिश का पता लगाने के लिए राणा को 18 दिन की एनआईए हिरासत में रखने की अनुमति दी थी।

पहलगाम हमलाः पाकिस्तान से रिश्ते लगभग समाप्त, सिंधु जल समझौता निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला लिया है। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने, पाकिस्तान के नागरिकों के लिए सार्क वीजा जारी करने पर रोक लगाने और अटारी-वाघा सीमा को बंद करने का निर्णय लिया है। साथ ही पाकिस्तान के उच्चायोग को सीमित करने का भी निर्णय लिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। हमले में 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की आज शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। विदेश सचिव ने

कहा कि इस हमले के बाद, विश्वभर से कई सरकारों ने भारत के प्रति समर्थन और एकजुटता व्यक्त की है, जो आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की भावना दर्शाती है। बैठक में इस आतंकी हमले के पाकिस्तानी संबंधों की जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिस्त्री ने पत्रकार वार्ता में सीसीएस के निर्णयों की जानकारी दी। इसके अनुसार, सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाएगा, जब तक पाकिस्तान क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद का समर्थन छोड़ने की विश्वसनीय और स्थायी प्रतिबद्धता नहीं करता। अटारी चेक पोस्ट को तुरंत बंद किया जाएगा, जो लोग वैध अनुमोदनों के साथ पार कर चुके हैं, उन्हें 01 मई 2025 से पहले लौटने का अवसर दिया जाएगा। पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत आने की अनुमति नहीं होगी। पहले जारी किए गए वीजा रद्द कर दिए गए हैं और वर्तमान में भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ना होगा। पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। इन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। भारत भी इस्लामाबाद में अपने रक्षा/नौसेना/वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। इसके अलावा, उच्चायोगों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जो 01 मई 2025 तक प्रभावी होगा। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। भारत आतंकवादियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को जारी रखेगा।

राष्ट्रपति से मिले गृहमंत्री और विदेश मंत्री, पहलगाम हमले पर दिया अपडेट

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने राष्ट्रपति को पहलगाम हमले और देश की सुरक्षा स्थिति की जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने राष्ट्रपति मुर्मु से दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें जारी की हैं। इस बीच, भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने पहलगाम हमले के बारे में विभिन्न देशों के राजदूतों को जानकारी दी। इस बैठक में जर्मनी, जापान, पोलैंड, यूनाइटेड किंगडम और रूस सहित कई देशों के राजदूत शामिल हुए।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि राजदूतों और उच्चायुक्तों को हमले की स्थिति, उसके पीछे के कारण और भारत की सुरक्षा रणनीति के बारे में बताया गया। सूत्रों के अनुसार ब्रीफिंग भारत के साथ सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने में रुचि रखने वाले देशों के लिए थी।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस को दी भावभीनी विदाई

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस गुरुवार प्रातः अपनी जयपुर यात्रा पूर्ण कर स्वदेश रवाना हुए। इस अवसर पर जयपुर एयरपोर्ट पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

जयपुर से प्रस्थान इस यात्रा का अंतिम चरण था, जिसमें वेंस परिवार ने प्रमुख विरासत स्थलों का भ्रमण किया और भारतीय नेताओं के साथ बातचीत की। एक दिन पहले उन्होंने आगरा में प्रतिष्ठित ताजमहल का दौरा किया था। वेंस 21 अप्रैल को चार दिन की भारत यात्रा पर पहुंचे थे। उनके साथ उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चों इवान, विवेक और मिराबेल भी भारत आए थे। दिल्ली में लैंड होने के बाद वेंस ने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद शाम को पीएम मोदी से मुलाकात की। वेंस सोमवार रात को ही दिल्ली से जयपुर के लिए रवाना हो गए थे। इसके बाद

उन्होंने मंगलवार को जयपुर में आमेर का किला देखा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने आगरा के ताजमहल का दौरा किया। इसके बाद वापस जयपुर लौटें, जहां से वे वॉशिंगटन के लिए रवाना हुए। तय शेड्यूल के मुताबिक उन्हें जयपुर के सिटी पैलेस का दौरा करना था, लेकिन यह दौरा रद्द कर दिया गया है। दौरा रद्द करने का कोई कारण नहीं बताया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यह फैसला किया गया।

वीजा रद्द, जल्द से जल्द पाकिस्तान लौटें पाकिस्तानीः भारत

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत ने सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए निर्णयों के बाद आज कहा कि देश में रह रहे सभी पाकिस्तानियों का वीजा 27 अप्रैल और मेडिकल वीजा 29 अप्रैल तक ही वैध रहेगा। यहां मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को अब जल्द से जल्द भारत छोड़ देना चाहिए। वहीं पाकिस्तान में रह रहे भारतीयों को जल्द से जल्द स्वदेश लौटने को कहा गया है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सीसीएस द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रम में भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रभाव से वीजा सेवाएं निलंबित करने का निर्णय लिया है। भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल

तक वैध रहेंगे। भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को अब संशोधित वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ देना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की सख्त सलाह दी है। साथ ही वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी जल्द से जल्द भारत लौटने की सलाह दी है।

विश्व नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर जताई भारत के साथ एकजुटता

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख दिखाया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से भारत के साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया। जार्डन के किंग और जापान के प्रधानमंत्री ने भी फोन कर हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत के लोगों और पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने भारतीय धरती पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हमले की कड़ी निंदा की और भारतीयों के साथ पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की बर्बरता पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके देश का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। दोनों नेताओं ने आतंकवाद को मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया और इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। जार्डन के किंग अब्दुल्ला इब्न अल-हुसैन ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है कि आतंक के हर रूप की निंदा की जानी चाहिए और इसे किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन नेताओं के साथ बातचीत के दौरान हमले की पृष्ठभूमि, इसके 'सीमापार चरित्र' और आतंकवादी संगठनों की भूमिका पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह हमला किस तरह निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने के उद्देश्य से किया गया था और इसमें विदेशी तत्वों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। प्रधानमंत्री ने भारत की ओर से यह स्पष्ट संदेश दिया कि ऐसी कायरतापूर्ण घटनाओं का करारा जवाब दिया जाएगा।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने की पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भर्त्सना

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भर्त्सना की है। एनजीटी ने इस दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति संवेदना और श्रद्धांजलि अर्पित की । सभी उपस्थित सदस्यों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय और असामयिक क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि पहलगाम में घाटी की झलक पाने के लिए जम्मू-कश्मीर गए अबोध पर्यटकों पर हमला करने की क्रूर घटना की निंदा की जानी चाहिए। एनजीटी ने घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। एनजीटी के सदस्यों, कार्मिकों, अधिवक्ताओं और रजिस्ट्री द्वारा शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

कपिल सिब्बल ने की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग, कहा- हम सरकार के साथ खड़े हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। सभी लोग सरकार के साथ खड़े हैं, क्योंकि यह देश की संप्रभुता पर हमला है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी से अपील करता हूं कि उन्हें संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। इस सत्र में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर चर्चा होनी चाहिए और सरकार को सभी नेताओं से सुझाव लेने चाहिए। सभी लोग सरकार के साथ खड़े हैं, क्योंकि यह देश की संप्रभुता पर हमला है।उन्होंने आगे कहा, मासूम पर्यटकों पर गोली चलाना इंसानियत का काम नहीं है। मैं यही कहूंगा कि आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी होता है और उसका कोई मजहब या धर्म नहीं होता है। पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए अपने मुद्दों को दुनिया के सामने लाने की कोशिश कर रहा है। कपिल सिब्बल ने कहा, संसद के विशेष सत्र में एक सर्वसम्मति के साथ प्रस्ताव पारित किया जाना

चाहिए, जिसके जरिए हमारा देश यह संदेश दे सके कि हम आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमें हर बड़े देश में एक प्रतिनिधिमंडल भेजना चाहिए, जिसमें सरकारी सांसद, विपक्षी सांसद और सरकारी कर्मचारी शामिल हों। इसके जरिए हमें दूसरे देशों को बताना चाहिए कि हमारा क्या रुख है। साथ ही हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बना पाएंगे। सिंधु जल संधि और पाकिस्तान के पीएम के बयान पर सिब्बल ने कहा, ये क्रियाएं और प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं होगा। अब पाकिस्तान के पीएम कह रहे हैं कि यह युद्ध की कार्रवाई होगी। मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन हमें एक दीर्घकालिक समाधान की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी के सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होने पर उन्होंने कहा, अच्छा होता कि वे ऑल पार्टी मीटिंग में हिस्सा लेते, मगर एक सांसद होने के नाते मुझे अच्छा नहीं लगा। शायद प्रधानमंत्री को लगा हो कि बिहार ज्यादा जरूरी हो। वे यहां से भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा संदेश दे सकते थे।

पहलगाम हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि, सर्वदलीय बैठक में रखा गया दो मिनट का मौन

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार की ओर से संसद एनेक्सी भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। उनके लिए बैठक प्रारंभ होने पर दो मिनट का मौन रखा गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में चल रही बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर सरकार की ओर से विषय रखेंगे। इसमें लगभग सभी दलों के प्रमुख नेता शामिल हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी नेता शामिल हुए। एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी थोड़ी देर से बैठक में शामिल हुए। उनका कहना था कि गृह मंत्री ने स्वयं फोन कर बैठक में शामिल होने के लिए कहा था। सभी दलों ने राजनीतिक भिन्नताओं से ऊपर उठकर देश की सुरक्षा और एकजुटता को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई है।

मेयर चुनाव का वहिष्कार करेगी आआपा : शैली ओबेरॉय

एजेंसी

नई दिल्ली।आम आदमी पार्टी (आआपा) ने होने वाले दिल्ली के मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव का पूरी तरह से वहिष्कार करने का एलान किया है। पार्टी का कहना है कि उसके पार्षद मेयर और डिप्टी मेयर के लिए कल होने वाले मतदान में भाग नहीं लेंगे। पार्टी ने इस बार इन पदों के लिए कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया है। मुकाबला इस बार भाजपा और कांग्रेस के बीच है। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। दिल्ली की पूर्व मेयर शैली ओबेरॉय, नेता सदन मुकेश गोयल और पार्षद अंकुश नारंग ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर बहिष्कार की जानकारी दी। शैली ओबेरॉय ने कहा कि एमसीडी मेयर का चुनाव होने जा रहा है। आआपा शुक्रवार को होने वाले मेयर व डिप्टी मेयर चुनाव का पूरी तरह से वहिष्कार करेगी। इस बार आआपा मेयर व डिप्टी मेयर चुनाव में भाग नहीं लेगी। अब दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार होगी। केंद्र व राज्य के अलावा अब एमसीडी में भी भाजपा का बहुमत है। हमें उम्मीद है कि भाजपा जनता से किए अपने सारे वादों को पूरा करेगी और कोई भी बहाना नहीं बनाएगी। आआपा विपक्ष की भूमिका बड़ी रचनात्मक तरीके से निभाएगी और भाजपा को उसकी जवाबदेही तय करेगी। नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में एमसीडी की आआपा की

सरकार ने दिल्ली की जनता के लिए जो भी योजनाएं लेकर आई, उसे भाजपा के दबाव में निगमायुक्त ने रद्दी की टोकरी में डाल दिया। हम हाउस टैक्स का प्रस्ताव लाए। इसमें दिल्ली की जनता को छूट थी कि 100 गज से कम के मकान का हाउस टैक्स माफ होगा और 100 से 500 वर्ग गज तक का हाउस टैक्स आधा होगा। यह दिल्ली की जनता को बहुत बड़ी राहत देने की बात थी। यह प्रस्ताव हाउस से पास हुआ। इसके बावजूद भाजपा के दबाव में कमिश्नर ने इसे लागू नहीं किया। इसके अलावा हमने विभिन्न विभागों के 12 हजार कर्मचारियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास किया और इसके लिए बजट का प्रावधान किया। इसके बाद भी निगमायुक्त इसपर कुछ नहीं किया। मुकेश गोयल ने कहा कि हमारी पार्टी ने महापौर और उपमहापौर के चुनाव में उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का निर्णय लिया है।

इसलिए आआपा मेयर चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। भाजपा को अब सत्ता मिलने जा रही है। उनका मेयर बनने जा रहा है। दिल्ली की जनता से भाजपा ने जो वादे किए है और जो प्रस्ताव हाउस से पास हुए हैं। उनको लागू करवाने की जिम्मेदारी अब भाजपा की है।

कालकाजी में बुजुर्ग दंपत्ति को दिनदहाड़े बंधक बनाकर लूटपाट, एक गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालकाजी थाना इलाके में दिनदहाड़े बुजुर्ग दंपत्ति को उनके ही घर में बंधक बनाकर लूटपाट करने का मामला सामने आया है। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित बुजुर्ग दंपत्ति का भरोसा जीतने के लिए डिलीवरी ब्वॉय बनकर उनके घर में घुसा था। उसके बाद लूटपाट की पूरी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने वारदात के तीन दिन बाद मामले में मदनपुर खादर निवासी आशीष को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से पुलिस ने एक जोड़ी बालियां व सोने की एक अंगूठी के अलावा 4500 रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल

बाइक व आरोपितों के पहने कपड़े बरामद कर लिये हैं। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस को 20 अप्रैल को मामले में शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता बुजुर्ग दंपत्ति ने बताया कि आरोपित ने घर में घुसने के बाद चाकू व नकली बंदूक के बल पर उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद 18 हजार नकद व गहने लूटकर फरार हो गया था। जांच के दौरान पुलिस ने स्थानीय सूत्रों व तकनीकी टीम की मदद से आरोपित की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित से पूछताछ में पता चला कि वह शिकायतकर्ता के पड़ोस में चपरासी का काम करता था। उसे पैसों की ज़रूरत थी इसलिए उसने बुजुर्ग दंपत्ति को लूटने की साजिश रची क्योंकि वे अकेले रह रहे थे। उसने टेप से अपनी बाइक का नंबर छिपा दिया। बुजुर्गों को धमकाने के लिए एक नकली बंदूक और चाकू लेकर उसने वारदात को अंजाम दिया। इसके अलावा आरोपित ने मफलर से अपना चेहरा भी ढक रखा था और उंगलियों के निशान छोड़ने से बचने के लिए दस्ताने पहने थे।

संपादक की कलम से

रो रही है झेलम कश्मीरियत के कत्ल पर

श्रीनगर में जहां कदम-कदम पर फौजी नंगी स्टैनगनों के साथ मुस्तैद नजर आए थे, वैसा पहलगाम में नहीं दिखा था। पहलगाम यानी चरवाहों का गांव और वाकई लिद्दर नदी के हमराह यहां सिर्फ घोड़े ही घोड़े नजर आते हैं। ऊपर के गांवों से नीचे आते हुए घोड़े और फिर इन्हीं रास्तों से लौटते हुए, मानों पहाड़ों के साथ सड़कों पर भी इन्हीं का राज हो। वहां के गुर्जर चरवाहों की यही रोजी है।

हां,झेलम मंगलवार की रात से ही रो रही है कश्मीरियत के कत्ल पर क्योंकि यही वह नदी है जो कश्मीर की जीवन रेखा है; और गवाह है धरती के इस खूबसूरत हिस्से की भोगी हुई पीड़ाओं की। इसने जाना है कि 'धरती का स्वर्ग' कहलाने के बाद आततायी किस तरह पहले लालची नजरों से देखते हैं और फिर खूनी वार करते हैं। इसने देखा है कि शातिरों ने इसके अपने बच्चों के हाथों में कैसे बंदूकें थमा दीं, लेकिन अब इसने चाहा है कि इस बेहद सुन्दर जगह को जिन बुरी नजरों ने घेर रखा है उनकी शिनाख्त जरूरी है। झेलम का जार-जार रोना जारी है क्योंकि जिन मासूम बेगुनाहों का खून उसने देखा है, वह उसे भीतर से सुखा दे रहा है। वह नई नवेली दुल्हन जो अपने पति के शव के पास बिलख रही है, झेलम उसके दुःख को झेल पाने में नाकाम है। इसे कश्मीरी अवाम ने भी उसी तरह महसूस किया है और यही वजह है कि गमजदा होकर वह सड़कों पर हैं, मशालें लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रही है। अपने शहर बंद कर रही है। जम्मू से श्रीनगर तक यही भावना है, जैसे अभी चुप रहेंगे तो आगे और बड़े गुनाहों के भागी होंगे। वह गुहार लगा रही है 'बंद करो, बंद करो यह खूनी हिंसा बंद करो!ज वह शर्मिंदा भी है कि अपने मेहमानों को नहीं बचा सकी। वे लगातार बोल रहे हैं, लिख रहे हैं कि हम शर्मिंदा हैं और इस कुकृत्य पर हमारा सर शर्म से झुका हुआ है। हिंदी पट्टी का सोशल मीडिया अगर बहस कर रहा है कि धर्म पूछ कर मारा या सरकार के इंटेलिजेंस की नाकामी है या बिना फोर्स के उस जगह तक पर्यटकों को जाने की अनुमति क्यों थी, तो कश्मीर के लोग लिख रहे हैं कि कोई भी कहानी ऐसे अंत के लिए नहीं बनी है। यह तस्वीर हमेशा-हमेशा के लिए कश्मीर को दर्द देती रहेगी।

आतंकियों ने धर्म पूछा फिर मारा यह बात हरेक के दिल में घर कर गई है। जो केवल यही सच है तो फिर अनंतनाग के सय्यद हुसैन शाह को किसने मारा? मृतकों में उनका नाम क्यों है? वह घायलों को बचाते हुए कुर्बान हुआ। लेखक आशुतोष कुमार लिखते हैं कि अगर आप इतना ही याद रखेंगे और यह भूल जाएंगे कि हमले के दौरान और उसके ठीक बाद घायलों को अपने कंधों पर या घोड़ों से अस्पताल पहुंचाने वालों ने न धर्म पूछा न जाति, तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में डाक्टरों और नर्सों ने बहुत कम सुविधाओं के साथ अपनी भूख, प्यास और नींद सब भूलकर घायलों का इलाज किया, जिससे मृतक संख्या को नियंत्रित किया जा सका। अगर आप इसे भूल जाएंगे तो आतंकवादियों की ही मदद कर रहे होंगे। बहुत देर तक कोई सरकारी सहायता नहीं पहुंच पाई थी, कोई वाहन नहीं थे, तब स्थानीय लोग घरों से बाहर निकले और अपनी जान की बाजी लगाकर उन लोगों को रेस्क्यू किया जो हमले की जद में थे। अगर आप यह भी भूल जाएंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। सारा का सारा जम्मू-कश्मीर इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में उठ खड़ा हुआ है। बिना किसी भय और हिचक के उन्हें संदेश दिया कि कश्मीर का बच्चा-बच्चा उनके खिलाफ तनकर खड़ा है। अगर आप यह भूल जाएंगे और केवल हिंदू-मुस्लिम नफरती पोस्टर बनाने वालों को याद रखेंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। पोस्टर की बात करें तो छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी का ही एक पोस्टर सोशल मीडिया में खूब प्रचार पा रहा है। पोस्टर में पत्नी का पति के शव के साथ स्केच है और उस पर लिखा है - 'धर्म पूछा जाति नहीं... याद रखेंगे।' इसे क्या कहा जाए कि पार्टी बेहतर महसूस कर रही है कि जाति नहीं पूछी क्योंकि वे खुद धर्म की सियासत करते हैं और उनके विरोधी जाति की। आपदा में अवसर शायद इसे ही कहा जाता है कि भीषण दुःख और अपरिहार्य परिस्थिति में भी दलों से सियासत नहीं भूली जाती। किसी को भी यह समझने में क्यों भूल करनी चाहिए कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता। वे अपने हिंसक आकाओं की हसरतों के मोहरे भर होते हैं। अगर जो होता तो श्रीलंका में लिट्टे यानी लिबरेशन टायगर्स ऑफ तमिल ईलम नहीं होता जिसने भारत के एक युवा प्रधानमंत्री (राजीव गांधी) की जान ली थी।

धर्म देखकर फ्रिज खोलकर मीट चेक करने के बाद हत्या को अंजाम तो कुछ और भी लोगों ने दिया है। बेहतर है कि पहलगाम में 27 निदोर्षों की हत्या को इस तंग नैरेटिव के बीच न सीमित कर दिया जाए। सरकार को इस घटना से ऐसा सबक लेना चाहिए कि कश्मीर में फिर कभी ऐसी विभीषिका न हो। सरकार ने ही संसद में अपनी बात कहकर लोगों को यकीन दिलाया था कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह सरकार चुप बैठने वाली नहीं है, घर में घुसकर मारती है। अब जो हुआ है, यह उन सैलानियों के यकीन का कत्ल है। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि आप यहां आएं, आप सुरक्षित हैं। नतीजतन 2023 में दो करोड़ दस लाख से ज्यादा सैलानी यहां आए जो साल 2020 में 35 लाख से भी कम थे। अभी तो सीजन शुरू ही हुआ था और अगले तीन महीनों तक यह सिलसिला जारी रहना था लेकिन पहलगाम की घटना ने कश्मीर को फिर पीछे पंहुचा दिया है। इसी यकीन के भरोसे सपरिवार पिछले बरस आठ दिन कश्मीर में और दो दिन पहलगाम में बिताए थे। सब खुश थे।

गर्मी में नारियल पानी अमृत समान, शुद्ध नैचुरल प्रोडक्ट शरीर के जरूरी अंगों का रखता है खास ख्याल

नई दिल्ली। गर्मी का सितम जारी है और ऐसे में लोग शरीर को हाइड्रेट करने के लिए तरह-तरह के ड्रिंक्स भी लेते हैं, लेकिन हम आपको ऐसे ड्रिंक के बारे में बताएंगे, जिसे पीने से न केवल शरीर हाइड्रेटेड रहता है बल्कि पाचन, वजन पर कंट्रोल रखने और त्वचा की रौनक बढ़ाने में भी कारगर होता है। यहां बात नारियल पानी की हो रही है, जिसकी तुलना अगर ह्यअमृतह्न से की जाए तो गलत नहीं होगा, क्योंकि जब गर्मी के तपते दिनों में प्यास और थकान सताने लगती है, तब नारियल पानी को ही पीने के लिए सबसे अच्छा पेय पदार्थ माना जाता है।

नारियल पानी पेट को शीतलता प्रदान करता है और यह शुद्ध होता है। नैचुरल प्रोडक्ट जिसमें मिलावट लेशमात्र की नहीं होती। पोषक तत्वों से भरपूर होता है। प्रकृति का यह अनमोल तोहफा शरीर को तरोताजा रखने के साथ ही अनगिनत फायदे भी पहुंचाता है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन (दिसंबर, 2009) में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, 1940 के दशक से नारियल पानी का व्यापक अध्ययन किया गया। जिसमें दावा किया गया कि यह एक ताजा और पौष्टिक पेय है और स्वास्थ्य लाभ के कारण बड़े पैमाने पर पिया जाता है। इसका सेवन दिल का ख्याल रखता है और हार्ट अटैक से बचाता है। एक अध्ययन में पाया गया कि नारियल पानी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, नारियल पानी में अकार्बनिक आयन और विटामिन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इंसानी शरीर के एंटीऑक्सीडेंट सिस्टम को सहायता प्रदान करते हैं।

नारियल पानी से शरीर तो हाइड्रेट रहता है, साथ ही यह इम्युनिटी को बूस्ट करने का भी काम करता है। इतना ही नहीं, इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी आसानी होती है।

इसके अलावा, नारियल पानी का सेवन दिल को दुरुस्त रखने का काम करता है। साथ ही यह बीपी को नॉर्मल करता है और ब्लड वेसल्स में रक्त प्रवाह को नॉर्मल करने का काम भी करता है।

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग-

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम ह्यआईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करेंह्न है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है।

इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक।

इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे बढ़ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं। आधुनिक समय में संगीत बौद्धिक एवं आर्थिक सम्पदा का बड़ा माध्यम है।

आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। इसीलिये संगीत एक बड़ी बौद्धिक सम्पदा है।

शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। इन संगीत प्रस्तुतियों से जुड़े कलाकार एवं संगीतकारों के लिये यह उनकी बौद्धिक सम्पदा है। यह दिन इन बौद्धिक संपदा से जुड़े अधिकारों के संरक्षण के महत्व को रेखांकित करता है, जो रचनाकारों और आविष्कारकों को उनके काम के लिए पुरस्कृत करने में मदद करता है एवं उनके उचित पारिश्रमिक को सुनिश्चित करता है। वैश्विक स्तर पर, युवा लोग नवाचार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, अपनी ऊर्जा और सरलता, अपनी जिज्ञासा और सरलता का उपयोग करके बेहतर भविष्य का मार्गदर्शन कर रहे हैं। नये विश्व के निर्माण में बौद्धिक सम्पदा की प्रभावी भूमिका है। तकनीकी विकास एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर

में बौद्धिक सम्पदाओं को संरक्षित करते हुए बौद्धिक सम्पदाओं के रचनाकारों एवं मौलिक सृजनकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना ही इस दिवस का ध्येय है और इसी में इस दिवस की सार्थकता है।

पहलगाम त्रासदी को भुनाने की कवायद शुरू

27 लोगों की जान लेने वाले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले को अभी 48 घंटे भी नहीं हुए हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसका लाभ लेने की कवायद प्रारम्भ कर दी। बिहार के मधुबनी के झंझारपुर की लोहना पंचायत में 'पंचायती राज दिवस' पर आयोजित आम सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आतंकियों को यह कहकर 'मिट्टी में मिलाने' की धमकी दी कि 'उन्होंने सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं वरन भारत पर हमला किया है।' इस राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं इसलिये मोदी की इस सभा को चुनावी प्रचार का आगाज भी माना जा रहा है। मोदी ने इस सभा से बिहार की 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

बेशक यह सभा विकास कार्यों के शिलान्यास-उद्घाटन के लिये आयोजित की गयी थी परन्तु पहलगाम हादसे के बाद भी इसे रद्द न करने से बात साफ हो गयी थी कि इसका लाभ लेने की कोशिश होगी। सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर लौटे प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली हवाईअड्डे पर ही बैठक की और पाकिस्तान के खिलाफ कई फैसले लिये लेकिन इसे लेकर न तो कोई अधिकृत बयान दिया, न कोई जनता को संदेश। सत्ता समर्थक मीडिया तथा सोशल मीडिया में बुधवार से ही यह बात घूमने लगी थी कि 'प्रधानमंत्री पाकिस्तान को कड़ा संदेश बिहार की धरती से देंगे।' यह सचमुच आश्चर्यजनक था कि अंतरराष्ट्रीय महत्व की इस बड़ी घटना के बारे में कुछ कहने के लिये उन्होंने देश की राजधानी दिल्ली को नहीं चुना, न ही संसद में या सर्वदलीय बैठक में चेतावनी देनी पसंद की। रेडियो- टीवी पर वे देशवासियों को सम्बोधित कर सकते थे। साफ है कि वे इसका लाभ लेने की पहले से ठान चुके थे।

इन अनुमानों को मोदी ने गलत साबित नहीं होने दिया। सभा में उन्होंने आतंकियों के हाथों मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिये सभी से दो मिनट का मौन धारण कराया तथा उनके परिजनों को यह कहकर सांत्वना दी कि 'देश उनके साथ है।' फिर इस घटना का जिक्र करते हुए आतंकियों को चेतावनी दी कि 'उनकी बची-खुची जमीन भी खत्म कर दी जायेगी।' उन्होंने ऐलान किया कि 'अब उन्हें मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। जिन आतंकियों ने देश की आत्मा को चोट पहुंचाई है उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।' देश भर से इस घटना को लेकर समर्थन मांगने की कोशिश में मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि 'हमले में किसी ने बेटा खोया, तो किसी ने भाई। किसी ने अपना जीवन साथी खोया है। उनमें कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजराती था तो कोई यहां बिहार का लाल था।' भावुकता की रौ में बहे मोदी दुख और गुस्सा दोनों का इजहार करते नजर आये। उन्होंने कहा कि 'पहलगाम में आतंकियों ने मासूम लोगों को जिस बेरहमी से मारा है उससे करोड़ों देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ है। सरकार इसके भी प्रयास कर रही है कि जिन घायलों का इलाज जारी है वे जल्द स्वस्थ हों।' प्रधानमंत्री ने दावा किया कि 'पर्यटकों को मारने वाले आतंकियों को 'उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा' दी जाएगी।' उन्होंने कहा-'मैं बिहार की धरती से पूरी दुनिया को कहना चाहता हूं कि भारत सभी आतंकियों की पहचान कर उन्हें सजा देगी। इस तरह के हमले से आतंकी देश के मनोबल को नहीं तोड़ सकेंगे। आतंकी हमले के बाद अब न्याय दिलाने के लिए भारत सब कुछ करेगा। जो लोग मानवता में विश्वास करते हैं वे हमारे साथ हैं।' मोदी ने आतंकी घटना के लिये सीधे-सीधे पाकिस्तान का नाम तो नहीं लिया लेकिन यह जरूर कहा कि '140 करोड़ भारतीयों की इच्छा शक्ति 'आतंक के आकाओं' की कमर तोड़ देगी।'

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

-ललित गर्ग-

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दशार्ते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है,

जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने

अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निदोर्षों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की ह्यगले की नसह्न बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निदोर्षों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया।

ब्रिटेन का यूक्रेन में सेना भेजने की योजना त्यागने की संभावना

एजेंसी

मॉस्को। ब्रिटेन अब यूक्रेन में हजारों सैनिक भेजने के विचार को त्यागने की योजना बना रहा है क्योंकि वहां सेना को भेजने में जोखिम बहुत अधिक है। टाइम्स अखबार ने ब्रिटिश सूत्रों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। 'इच्छुक गठबंधन' के बारे में चर्चा में शामिल एक सूत्र ने कहा, 'जोखिम बहुत अधिक है और इस तरह के कार्य के लिए सेना अपर्याप्त है। यह हमेशा ब्रिटेन का विचार था। फ्रांस ही अधिक सशक्त दृष्टिकोण चाहता था।' रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा प्रतिबद्धता यूक्रेन के सशस्त्र बलों के पुनर्गठन और पुनः शस्त्रीकरण पर केंद्रित होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 27 मार्च को पेरिस में 'इच्छुक गठबंधन' के शिखर सम्मेलन की मेजबानी के बाद कहा कि कई देश 'निवारक बलों' के रूप में यूक्रेन में सेना भेजना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन-फ्रांस की पहल न तो यूक्रेनी सैनिकों का प्रतिस्थापन होगी और न ही शांति सेना। इसका लक्ष्य रणनीतिक स्थानों पर सैनिकों को तैनात करके रूस को रोकना होगा। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा है कि यूक्रेन में किसी भी विदेशी सैन्य उपस्थिति को रूस के लिए खतरे के रूप में देखा जाएगा और इससे प्रत्यक्ष सैन्य टकराव का खतरा है।

रूस यूक्रेन समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार है, विवरण पर चर्चा जारी -लावरोव

मास्को। रूस यूक्रेन के साथ संघर्ष के समाधान पर एक समझौते पर पहुंचने को तैयार है, लेकिन सौदे के कुछ प्रावधानों को अभी भी ठीक करने की आवश्यकता है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक साक्षात्कार में यह बात कही। श्री लावरोव ने अमेरिकी प्रसारक 'सीबीएस' न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान में एक समझौते का उल्लेख है, और हम

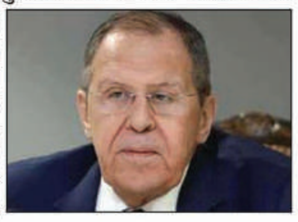

एक समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी भी कुछ विशिष्ट बिंदु हैं - इस सौदे के तत्व जिन्हें ठीक करने की आवश्यकता है।साक्षात्कार के अंश प्रकाशित किए गए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार रविवार को पूरा संस्करण प्रसारित किया जाएगा। इससे पहले श्री ट्रम्प ने उम्मीद जताई थी कि रूस और यूक्रेन इस सप्ताह एक समझौता करेंगे। श्री ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने यूक्रेनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर वार्ता में भागीदारी के लिए अपनी समय सीमा निर्धारित की है, लेकिन इसका खुलासा नहीं किया।

थाईलैंड में पुलिस विमान दुर्घटनाग्रस्त, छह की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड के फेत्चाबुरी प्रांत के रिसॉर्ट शहर हुआ हिन के तट के पास शुक्रवार सुबह एक छोटा पुलिस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। थाई पुलिस ने यह जानकारी दी।थाई राष्ट्रीय पुलिस ने अपने सोशल मीडिया पेज पर कहा कि पुलिस विमानन प्रभाग का विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब विमान पैराशूट प्रशिक्षण के लिए परीक्षण उड़ान भर रहा

था। दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी। वीडियो फुटेज में विमान को समुद्र में गिरते हुए दिखाया गया है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि उड़ान भरने के तुरंत बाद इंजन में खराबी आ गई। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी। फेत्चाबुरी प्रांत के पुलिस आपातकालीन केंद्र ने कहा कि उन्हें स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 8-15 बजे एक स्थानीय रिसॉर्ट के पास समुद्र में एक विमान के गिरने की सूचना मिली।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो की तबीयत बिगड़ी

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो की हालत बिगड़ रही है और उनका रक्तचाप भी बढ़ रहा है। दो सप्ताह से भी कम समय पहले उनकी आंत की सर्जरी की गयी थी और वह इससे उबर रहे थे। जारी एक मेडिकल बुलेटिन में यह जानकारी दी गयी। ब्रासीलिया के डीएफ स्टार अस्पताल ने बुलेटिन में कहा कि बोल्सोनारो के लीवर की प्रयोगशाला जांच में भी स्थिति बिगड़ने की बात

सामने आई है। तेरह अप्रैल को बोल्सोनारो का 12 घंटे का ऑपरेशन हुआ था, जिसका उद्देश्य आंत की रुकावट को दूर करना और आंत की दीवार का पुनर्निर्माण करना था। वर्ष 2018 के चुनाव अभियान के दौरान पेट में चाकू घोंपने के बाद से यह पूर्व राष्ट्रपति पर की गई छठी सर्जरी थी। बोल्सोनारो 2019 से 2022 के अंत तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे।

पाकिस्तान करता है 'गंदा काम' ! आतंकवाद पर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकारा 'सच'

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि उनका देश आतंकवाद का समर्थन करता रहा है। एक इंटरव्यू के वायरल क्लिप में उन्हें कहता सुना जा सकता है कि पाकिस्तान पश्चिम के लिए दशकों से 'गंदा काम' करता रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसिफ ने यह हैरान करने वाला बयान स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान दिया। आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस हमले के बाद भारत-पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। वायरल वीडियो क्लिप में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री स्काई न्यूज

की यल्दा हकीम से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वह उनसे पूछती हैं, ÷लेकिन आप मानते हैं, आप मानते हैं, महोदय, कि पाकिस्तान का इन आतंकवादी संगठनों को समर्थन, ट्रेनिंग और फंडिंग का एक लंबा इतिहास रहा है? ख्वाजा आसिफ ने अपने जवाब में कहा, 'हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं...यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रहे हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।' इंटरव्यू में आसिफ ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए नई दिल्ली की आलोचना की। 22 अप्रैल के क्रूर आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कदम उठाए हैं। भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने, जैसे कई कदम उठाए हैं।

अमेरिका ने रूस को दी चेतावनी, ट्रंप ने कहा-यूक्रेन से शांति समझौता न करने पर करना पड़ेगा प्रतिबंधों का सामना

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस को यूक्रेन पर किए गए ताजा हमलों के बाद कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना ??है कि रूस, यूक्रेन पर हमले रोकने की उनकी अपील को गंभीरता से लेगा। दोनों देशों के बीच समझौता अभी भी संभव है।

न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका लगातार रूस पर यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए दबाव डाल रहा है। ट्रंप ने दावा किया, आपको पता नहीं है कि हम रूस पर कितना दबाव डाल रहे हैं। ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन के साथ शांति योजना पर पहुंचने के लिए रूसी सरकार ने क्या रियायतें दी हैं? उन्होंने इसका

स्पष्ट जवाब नहीं दिया।ट्रंप ने कहा कि वह द अटलांटिक अखबार के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग से मिलने जा रहे हैं, जिन्हें अनजाने में सिग्नल चैट में शामिल कर लिया गया था। उल्लेखनीय है कि इस चैट में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ सहित अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं पर चर्चा की थी।

गाजा में इजराइली हमलों में कम से कम 28 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा। इजराइल द्वारा गाजा पट्टी में किए गए ताजा हवाई और जमीनी हमलों में कम से कम 28 लोगों की जान चली गई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मरने वालों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इजराइल ने पिछले महीने हमास के साथ संघर्ष विराम तोड़ते हुए सैन्य अभियान को फिर से तेज कर दिया है। मार्च की शुरुआत से इजराइल ने गाजा में 20 लाख फिलिस्तीनियों की खाद्य और अन्य आवश्यक आपूर्ति को पूरी तरह रोक दिया है, ताकि हमास को बंधकों की रिहाई के लिए दबाव में लाया जा सके। हमास का कहना है कि वह अब भी 59 बंधकों को रखे हुए है, जिनमें से 24 के जीवित होने की आशंका है। संगठन ने साफ कर दिया है कि वह बंधकों की रिहाई केवल फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई, स्थायी युद्धविराम और इजराइल की पूरी तरह वापसी की शर्तों पर ही करेगा। इजराइल का रुख इससे बिल्कुल विपरीत है, उसने हमास को पूरी तरह नष्ट करने की कसम खाई है। यह युद्ध 07 अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ

था, जब हमास के नेतृत्व में लड़ाकों ने दक्षिणी इजराइल पर हमला करते हुए लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 251 लोगों को बंधक बना लिया था। अब तक अधिकांश बंधक विभिन्न युद्धविराम समझौतों और सौदों के तहत रिहा किए जा चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के जवाबी सैन्य अभियान में अब तक 51,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। वहीं, इजराइल का दावा है कि उसने करीब 20,000 हमास लड़ाकों को मारा है, लेकिन उसने इसका कोई सबूत सार्वजनिक नहीं किया है। इस बीच, इजराइल ने 'यॉम हाशोआ' (होलोकॉस्ट स्मृति दिवस) मनाया। सुबह 10 बजे पूरे देश में दो मिनट के लिए सायरन बजाया गया, लोग सड़क किनारे रुक गए और मृतकों को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यरुशलम स्थित 'याद व शेम' होलोकॉस्ट स्मारक पर आधिकारिक में कहा था होलोकॉस्ट की मुख्य सीख यही है कि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। हम हमास को पूरी तरह नष्ट करेंगे और सभी बंधकों को वापस लाएंगे।

नेपाल संसद के बजट सत्र में विपक्ष के बहिष्कार से प्रधानमंत्री का संबोधन स्थगित

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के संसद का बजट सत्र शुरू हो रहा है, लेकिन पहले ही दिन सरकार और प्रतिपक्ष के बीच विवाद शुरू हो चुका है। विपक्षी नेता ने प्रधानमंत्री के संबोधन का बहिष्कार करने की घोषणा कर दी है, जिसके कारण प्रधानमंत्री का संबोधन कार्यक्रम अंतिम समय में स्थगित कर दिया गया है। आमतौर पर संसद सत्र के पहले दिन सदन में सभी प्रमुख दल के नेता उपस्थित रहते हैं और उन नेताओं का संबोधन होता है, लेकिन प्रमुख विपक्षी नेता माओवादी के पुष्प कमल दहाल प्रचंड ने सुबह ही प्रधानमंत्री के संबोधन का बहिष्कार करने की घोषणा कर दी। संसदीय दल की बैठक के बाद प्रचंड ने प्रधानमंत्री से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल हो गई है और प्रधानमंत्री ओली को एक भी दिन भी पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। संसद सचिवालय को भेजे गए पत्र में प्रधानमंत्री का आज का संबोधन कार्यक्रम रद्द होने की जानकारी दी गई है। इस पत्र में भी विपक्षी नेताओं की अनुपस्थिति के कारण प्रधानमंत्री का संबोधन रद्द किए जाने की जानकारी दी गई है। प्रधानमंत्री द्वारा संसद को संबोधित करते समय विपक्ष सहित सभी प्रमुख दलों के नेताओं के उपस्थित होने की प्रथा है। सिर्फ विपक्षी नेता ही नहीं सत्ता पक्ष के प्रमुख नेता नेपाली कांग्रेस के शहर

बहादुर देउवा भी विदेश यात्रा पर होने के कारण वो भी आज संसद की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकेंगे। देउवा आज अपराह्न बैंकाक और सिंगापुर की यात्रा से वापस आ रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र का भारत-पाकिस्तान से अधिकतम संयम बरतने का आग्रह

एजेंसी

न्यूयॉर्क। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनाव पर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से इस दौरान अधिकतम संयम बरतने का आग्रह किया है। द गार्जियन अखबार के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने न्यूयॉर्क में संवाददाताओं से कहा, 'महासचिव स्पष्ट रूप से स्थिति पर बहुत बारीकी से और बहुत चिंता के साथ नजर रख रहे हैं। उन्होंने दोनों सरकारों से अपील किया है कि अधिकतम संयम बरतें। और यह सुनिश्चित करें कि स्थिति और न बिगड़े।' एक सवाल पर प्रवक्ता ने कहा कि यूएन प्रमुख गुटेरेस ने फिलहाल भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व से इस बारे में कोई सीधा संपर्क नहीं किया है। पहलगाम आतंकी हमले

के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा की। इसमें कहा गया कि भारत तत्काल प्रभाव से 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित कर रहा है। इससे तिलमिलाए पाकिस्तान ने भी कूटनीतिक कदम उठाए। भारत ने पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, 'हमारा मानना है कि पाकिस्तान और भारत के बीच कोई भी मुद्दा सार्थक पारस्परिक जुड़ाव के माध्यम से शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जा सकता है। और ऐसा किया भी जाना चाहिए। 'भारत के सिंधु जल संधि के निलंबित किए जाने के बारे में विशेष रूप से पूछे जाने पर दुजारिक ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह हमारे अधिकतम संयम बरतने और ऐसी कोई कार्रवाई न करने की अपील के दायरे में आएगा।

उधर, एक प्रेस ब्रीफिंग में अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने भी दक्षिण एशिया में पनप रहे संकट पर बात की। उन्होंने कहा, 'यह तेजी से बदलती स्थिति है और हम इस पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हम अभी कश्मीर या जम्मू की स्थिति पर कोई रुख नहीं अपना रहे हैं। इस विषय पर उन्हें बस इतना ही कहना है।

फ्रांसः स्कूल में छात्रों पर चाकू से हमला, 1 की मौत और 3 घायल

एजेंसी

पेरिस। पश्चिमी फ्रांस के नांतेस (नांत) में एक हाई स्कूल का छात्र चाकू लेकर स्कूल में घुस गया। इसके बाद उसने कम से कम चार छात्रों पर चाकू से हमला कर दिया।बीएफएमटीवी ने विभिन्न स्रोतों के हवाले से बताया कि चाकू हमले में गंभीर चोटों के कारण एक छात्र की मौत हो गई। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बीएफएमटीवी ने बताया कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही शिक्षकों ने हमलावर को रोक लिया था। हमलावर हाई स्कूल का छात्र है, जिसे हिरासत में ले लिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक ने एडोल्फ हिटलर के प्रति प्रशंसा व्यक्त की थी। कई कक्षाओं में हमले करने के बाद शिक्षकों ने उसे पकड़ लिया था। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया, लेकिन मनोवैज्ञानिक जांच के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। संदिग्ध ने हमलों से ठीक पहले अन्य छात्रों को एक अस्पष्ट ईमेल भेजा था। नांतेस के अभियोक्ता एंटोनी लेरॉय ने पत्रकारों को बताया, जांच करने वाले मनोचिकित्सक ने बताया कि संदिग्ध का स्वास्थ्य पुलिस हिरासत के लिए ठीक नहीं है।फ्रांस को झकझोर देने वाली नई घटना में हमलावर ने पश्चिमी शहर नांतेस के नोट्रे-डेम डे टाउट्स-आइडेस ग्रामर स्कूल में साथी छात्रों पर चाकू से हमला किया। फ्रांस के आंतरिक मामलों के मंत्री ब्रूनो रेटायो ने करीब 50 जांचकर्ताओं को जांच में लगाया है। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू ने हमले के बाद स्कूलों के आसपास और भीतर नियंत्रण बढ़ाने का आह्वान किया है। साथ ही आगे चाकू से होने वाले हमलों को रोकने के लिए प्रस्ताव मांगे। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर कहा कि हमलावर को पकड़कर शिक्षकों ने एक बड़ी दुर्घटना को होने से रोक लिया।

ब्रिटेन की संसद में पहलगाम आतंकी हमले की गूंज

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की संसद में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की गूंज सुनाई दी। स्लॉ से सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने अपने भाषण में नागरिकों पर हुए आतंकी हमले पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि वह पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई है। सांसद धेसी ने अपने भाषण को एक्स पर साझा किया है। उन्होंने कहा कि हम इस सप्ताह पोप फ्रांसिस के निधन का शोक मना रहे हैं, लेकिन मैं इस सप्ताह जम्मू-कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर कायरतापूर्ण, घातक, चौंकाने वाले आतंकवादी हमले से भी बहुत दुखी हूं। पीड़ितों के परिवार मेरी प्रार्थनाओं में हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि अपराधियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। सांसद धेसी ने इस मौके पर गाजा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गाजा में

इजराइली भयावहता और पीड़ा का तत्काल अंत चाहिए।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, हाउस ऑफ कॉमन्स की नेता लूसी पॉवेल ने भी पहलगाम हमले का जिक्र किया। उन्होंने इसे कायरतापूर्ण कृत्य बताया और कहा कि ब्रिटेन सरकार की संवेदनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। इसके अलावा ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने पहलगाम हमले के पीड़ितों को याद किया। भारतीय उच्चायोग ने इंडिया हाउस में स्मृति समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर संसदीय मामलों के राज्यमंत्री एल. मुरुगन, महाराष्ट्र के सामाजिक न्यायमंत्री संजय शिरसाट, यूके के सांसद बॉब ब्लैकमैन और

> **'वह पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई है।'**

कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने इस मौके पर कहा कि पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर के लोगों को सामान्य दैनिक व्यवसाय करने से रोकने के लिए किया गया।

वर्जीनिया में एयरशो से पहले विमान क्रैश, पायलट रॉब हॉलैंड की मौत

हैम्पटन। वर्जीनिया के लैंगली एयर फ़ोर्स बेस पर विमान क्रैश होने से एयरोबैटिक पायलट रॉब हॉलैंड की मौत हो गई। वह इस सप्ताहांत एयरशो में हिस्सा लेने वाले थे। रॉब हॉलैंड के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई है। न्यूज के अनुसार, इंस्टाग्राम अकाउंट पोस्ट में लिखा गया, रॉब हॉलैंड विमानन इतिहास में सबसे सम्मानित और प्रेरणादायक एरोबैटिक पायलटों में से एक थे। वह विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका एकमात्र लक्ष्य बस कल की तुलना में और बेहतर करना था। संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, दुर्घटना कुछ पहले हुई। वन सीटर प्रायोगिक एमएक्स एयरक्राफ्ट एमएक्सएस उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब रॉब बेस पर उतरने का प्रयास कर रहे थे। हादसे की जांच की जा रही है। हॉलैंड को शनिवार और रविवार को बेस पर होने वाले एयर

पावर ओवर हैम्पटन रोड्स एयरशो में हिस्सा लेना था। हॉलैंड की वेबसाइट के अनुसार, वह 13 बार यूएस नेशनल एरोबैटिक चैंपियन रहे। शो के आयोजनकर्ता इंटरनेशनल एरोबैटिक क्लब के अध्यक्ष जिम बॉर्के ने बयान में कहा, रॉब को एक दोस्त, एक मार्गदर्शक, एक नेता और एक नवप्रवर्तक के रूप में याद किया जाएगा। रॉब के परिवार के दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

उल्लेखनीय है कि लैंगली एयर फोर्स बेस चेसापीक खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी किनारे के पास स्थित है। यह प्रतिष्ठान एफ-22 रैप्टर लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन का घर है। उनमें से एक ने 2023 में अटलांटिक के ऊपर एक चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया था।

लेबनान में ड्रोन विस्फोट, 8 सीरियाई शरणार्थी घायल

बेरूत/दमिश्क। पूर्वी लेबनान के होश अल-सैय्यद अली शहर के एक खेत में हुए ड्रोन विस्फोट में आठ सीरियाई शरणार्थी घायल हो गए। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि सीरियाई सीमा के पास एक ड्रोन में विस्फोटक लगाकर उड़ा दिया गया। हादसे में घायल सभी आठ लोगों को लेबनान के पूर्वी शहर हर्मेल के अस्पतालों में ले जाया गया। एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सीरियाई अधिकारियों ने लेबनान के हिजबुल्लाह मिलिशिया पर पश्चिमी सीरिया के होम्स प्रांत के अल-कुसायर शहर के पास सीरियाई सेना के ठिकानों पर तोपों से गोले दागने का आरोप लगाया। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना की मानें तो, लेबनानी क्षेत्र से अल-कुसैर क्षेत्र में सीरियाई सेना के ठिकानों की ओर पांच गोले दागे गए। रक्षा स्रोत के हवाले से जारी बयान में कहा गया कि सेना ने गोलीबारी के स्रोतों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की। सूत्र ने बताया कि लेबनानी सेना के साथ समन्वय के बाद सीरियाई पक्ष ने लेबनान पर गोलीबारी रोक दी। वहीं, लेबनानी सेना ने क्षेत्र की तलाशी लेने और हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी समूहों का पीछा करने का वादा किया। इस घटना के बाद सीरियाई पक्ष से किसी के हताहत होने या क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली। ये घटनाएं तब हुईं, जब सीरिया और लेबनान ने मार्च में अपनी साझा सीमा पर शत्रुता रोकने और सैन्य समन्वय को मजबूत करने पर सहमति जताई थी।

पाक पत्रकार ने पहलगाम को लेकर किया सवाल तो अमेरिकी प्रवक्ता ने दिया टका सा जवाब

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक प्रेस वार्ता के दौरान एक पाकिस्तानी पत्रकार की बोलती बंद कर दी। पत्रकार ने उनसे जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तनाव को लेकर सवाल किया था। इस पर प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और सभी प्रकार के आतंकवाद की कड़ी निंदा करता है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, हम इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं करने वाले हैं, हम किसी दूसरे मुद्दे पर आपसे बात करने के लिए आएंगे। इस स्थिति पर तो कुछ नहीं बोलेंगे। राष्ट्रपति और सेकरेट्री ने पहले ही काफी कुछ कह दिया है, हमारा रुख स्पष्ट है। बिना नाम लिए टैमी ब्रूस ने पाक आतंकियों के खिलाफ कड़े एक्शन की बात कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन लोगों के लिए प्रार्थना करता है जिन्होंने आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाई और घायलों के ठीक होने के लिए प्रार्थना करता है। पहलगाम में आतंकवादी हमले पर ब्रूस ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव रूबियो ने स्पष्ट किया है, अमेरिका भारत के साथ खड़ा है, आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं और घायलों के ठीक होने के लिए प्रार्थना करते हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए फोन किया था। पीएम मोदी ने ट्रंप को उनके समर्थन के लिए

धन्यवाद दिया और कहा कि भारत इस कायरतापूर्ण और जघन्य आतंकवादी हमले के अपराधियों और समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। 22 अप्रैल को, आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन, जिसे ÷मिनी स्विट्जरलैंड÷ के रूप में जाना जाता है, में 26 लोगों की हत्या कर दी थी इस आतंकी हमले के बाद पहली सार्वजनिक सभा में प्रधानमंत्री ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया था। बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कसम खाई कि भारत पहलगाम नरसंहार में शामिल हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा। उन्होंने कहा, दोस्तों, आज बिहार की धरती से, मैं पूरी दुनिया से कहता हूं कि भारत हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें सजा देगा। हम उनका पीछा दुनिया के आखिरी छोर तक करेंगे। आतंकवाद भारत का मनोबल नहीं तोड़ पाएगा। अपने पहले जवाबी हमले में, भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने और राजनयिक संबंधों को कम करने सहित पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक उपायों की घोषणा की। भारत ने 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी सभी वीजा रद्द करने की घोषणा की और पाकिस्तान में रह रहे भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द स्वदेश लौटने की सलाह दी।

इजिप्ट में होने वाली सब-जूनियर स्पीड बॉल इंटरनेशनल प्रतियोगिता के लिए छात्र अर्पित शिवगोत्रा का हुआ चयन

एजेंसी

आरएस पुरा। इजिप्ट में 26 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक होने वाली सब-जूनियर स्पीड बॉल इंटरनेशनल प्रतियोगिता के लिए रेनू नेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल टांडा आरएस पुरा के छठी कक्षा के छात्र अर्पित शिवगोत्रा पुत्र प्रीतम शिवगोत्रा का चयन हुआ हैं। स्कूल प्रबंधन की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन कर सब जूनियर अंतर्राष्ट्रीय स्पीड बॉल प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर छात्र अर्पित शिवगोत्रा को सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य प्रीतम शिवगोत्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मानित समारोह के दौरान स्कूल स्टाफ के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य प्रीतम शिवगोत्रा ने कहा कि जम्मू कश्मीर के साथ-साथ क्षेत्र के लिए भी गर्व की बात है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली जूनियर इंटरनेशनल स्पीड बाल चैंपियनशिप के लिए उनके स्कूल के छात्र अर्पित शिवगोत्रा का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि छात्र अर्पित पिछले 2 साल से स्पीड बॉल प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहा है और हाल ही में हिमाचल प्रदेश में संपन्न हुई प्रतियोगिता में भी अर्पित का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए उसका चयन हुआ है जो की एक गर्व की बात हैं। उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर के तीन प्रतिभागियों का इस प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। स्कूल के प्रधानाचार्य ने बताया कि कोच सनी नंदा की अध्यक्षता में सभी खिलाड़ी आज इजिप्ट के लिए रवाना होंगे।

फेडरेशन कप: ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने की अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने कोच्चि में फेडरेशन कप के दौरान अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। चित्रवाल ने महाराजा कॉलेज स्टेडियम में 17.37 मीटर की छलांग दर्ज की, जिससे उन्होंने 2023 में क्यूबा के हवाना में होने वाले प्रूबा डे कॉन्फ्रॉन्टेसियन इवेंट में बनाए गए अपने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 23 वर्षीय चित्रवाल ने इस प्रयास के साथ ही इस वर्ष की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफिकेशन हासिल कर लिया है। तमिलनाडु के इस जम्पर ने प्रतियोगिता से हटने से पहले फेडरेशन कप में अपनी दूसरी छलांग के साथ कीर्तिमान स्थापित किया।

फेडरेशन कप: ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने की अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने कोच्चि में फेडरेशन कप के दौरान अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। चित्रवाल ने महाराजा कॉलेज स्टेडियम में 17.37 मीटर की छलांग दर्ज की, जिससे उन्होंने 2023 में क्यूबा के हवाना में होने वाले प्रूबा डे कॉन्फ्रॉन्टेसियन इवेंट में बनाए गए अपने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 23 वर्षीय चित्रवाल ने इस प्रयास के साथ ही इस वर्ष की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफिकेशन हासिल कर लिया है। तमिलनाडु के इस जम्पर ने प्रतियोगिता से हटने से पहले फेडरेशन कप में अपनी दूसरी छलांग के साथ कीर्तिमान स्थापित किया।

रॉयल रेंजर्स, ड्रीम एफसी और एमिटी की रोमांचक जीत

नई दिल्ली। अनीता की शानदार हैट्रिक की मदद से रॉयल रेंजर्स ने सिटी एफसी को 3-0 से हरा कर डीएसए महिला प्रीमियर लीग में शानदार जीत दर्ज की।नेहरू स्टेडियम में खेले गए दिन के पहले मैच में हंस कैपिटल फुटबाल क्लब ने ईव्स स्पोर्ट्स क्लब पर 4-2 की जीत दर्ज की। विजेता के लिए दो शानदार गोल करने वाली सृष्टि कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। वी चिंग और पायल ने एक-एक गोल बांटे। वहीं ईव्स के लिए नैंसी और नेहा ने एक-एक गोल किये। पुरुषों की ए डिवीजन के एक मैच में आशुतोष के दो दर्शनीय गोलों से द ड्रीम टीम ने उत्तराखंड फुटबाल क्लब को 2-0 से पराजित किया। विजेता टीम ने अधिकांश समय दबदबा बनाया लेकिन कई आसान मौके गँवाए। वरना जीत का अंतर बड़ा हो सकता था। अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए सीनियर डिवीजन लीग के मैच में एमिटी इंडियन नेशनल फुटबाल क्लब ने अहबाब एफसी को 5-3 से हराया। रोमांचक मुकाबले में विजेता टीम के लिए विकास दलाल और विनय ने दो दो तथा तनिश ने एक गोल किया। अहबाब के टी मिसाओ, मंगते और एल बेंजमीन ने एक-एक गोल दागे।

आईपीएल: सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे विराट कोहली

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) में एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मुक़ाबले के बाद सर्वाधिक रन बनाने वालों और विकेट लेने वालों की सूची में कई बदलाव हुए।

साई सुदर्शन शीर्ष पर कायम, कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन 417 रन बनाकर अब भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 52.12 की औसत और 152.18 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं, विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। राजस्थान के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 70 रन बनाए और अब उनके नाम नौ पारियों में 392 रन हो गए हैं।

निकोलस पूरन खिसके, सूर्यकुमार चौथे नंबर पर

लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ने प्रतियोगिता की शुरुआत धमाकेदार अंदाज़ में की थी और काफी मैचों तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। लेकिन हाल के मुकाबलों में खराब फॉर्म की वजह से अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम 377 रन हैं। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हर मैच में उपयोगी योगदान दिया है और अब 373 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप की दौड़- हेज़लवुड ने पकड़ी रफ्तार

गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा अब भी सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप धारक हैं। उन्होंने आठ मैचों में 16 विकेट लिए हैं। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जोश हेज़लवुड ने राजस्थान के खिलाफ 4 विकेट लेकर 16 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनकी रनगति (इकोनॉमी रेट) अधिक होने के कारण वह दूसरे स्थान पर हैं।

12 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की होड़

प्रसिद्ध कृष्णा और जोश हेज़लवुड के बाद सात गेंदबाज ऐसे हैं जिनके नाम 12-12 विकेट हैं। इनमें आरसीबी के क्रुणाल पांड्या (2 विकेट बनाम राजस्थान) नया नाम हैं।

ग्लोबल कबड्डी लीग: मराठी वल्चर्स की धमाकेदार जीत, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) के पुरुष वर्ग के मुकाबले दर्शकों के लिए रोमांच से भरपूर रहे। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी स्टेडियम में खेले गए मैचों में मराठी वल्चर्स, तमिल लायंस और पंजाबी टाइगर्स ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की। आज की जीत के साथ मराठी वल्चर्स 13 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, पंजाबी टाइगर्स 12 अंकों के साथ दूसरे और तमिल लायंस 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज हैं। मैचों में मुख्य अतिथि के तौर पर गुरुग्राम के उपायुक्त अजय कुमार और भारतीय सेना के ब्रिगेडियर एस.के. सरीन उपस्थित रहे। दोनों ने खिलाड़ियों को 'प्लेयर ऑफ द मैच' सम्मान प्रदान किया और उनके प्रदर्शन की सराहना की। अजय कुमार ने कहा कि खिलाड़ियों का समर्पण और जोश इस लीग को खास बना रहा है। मुकाबलों की बात करें तो पहले मैच में तमिल लायंस ने भोजपुरी लेपर्ड्स को 35-33 से हराया। मुकाबला आखिरी क्षणों तक कांटे का रहा, लेकिन तमिल टीम की रणनीतिक रेडिंग और निर्णायक सुपर रेड ने उन्हें जीत दिलाई। दूसरे मैच में पंजाबी टाइगर्स ने तेलुगु पैंथर्स को 47-39 से पराजित किया। उनकी आक्रामक रेडिंग और मजबूत डिफेंस ने 6 ऑल-आउट के साथ टीम को जीत दिलाई। तीसरे और अंतिम मुकाबले में मराठी वल्चर्स ने हरियाणवी शार्क्स को 52-35 से हराकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। मराठी टीम ने रेडिंग, टैकल और ऑल-आउट में शानदार संतुलन दिखाया।

मैड्रिड ओपन से हटे कार्लोस अल्कराज, चोट बनी वजह

एजेंसी

मैड्रिड। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने मेड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। पैर की चोट के कारण वे टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मैड्रिड में उनका मुकाबला शनिवार को होना था। अल्कराज ने बताया कि उन्हें ऊपरी पैर में पहले से चोट थी, जो उन्हें बीते रविवार को बार्सिलोना ओपन के फाइनल के दौरान भी परेशान कर रही थी। इसके अलावा, अब उनके बाएं पैर में भी चोट है। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही उन्होंने खेलने से इनकार करने का फैसला लिया।

अल्कराज ने 2022 और 2023 में मैड्रिड ओपन का खिताब जीता था। इस बार वे टूर्नामेंट के दूसरे वरीय खिलाड़ी थे और उनका ड्रा नोवाक जोकोविच के साथ एक ही हाफ में था। बार्सिलोना फाइनल में होल्गर रून से हार के दौरान उन्हें ट्रीटमेंट लेना पड़ा था। अल्कराज ने कहा कि उनकी ये चोट फ्रेंच ओपन में खेलने में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने पिछले साल रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) में अलेक्जेंडर ज़्वेरेव को हराकर खिताब जीता था। इस बार भी वे खिताब बचाने उतरेंगे। ज़्वेरेव ने हाल ही में म्यूनिख ओपन जीतकर अल्कराज को पीछे छोड़ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

अल्कराज ने इस साल अब तक 24 मुकाबलों में जीत और केवल 5 में हार दर्ज की है। उन्होंने फरवरी में रॉटरडैम (हार्ड कोर्ट) और अप्रैल में मोंटे कार्लो (क्ले कोर्ट) पर खिताब जीता है। हालांकि, हालिया कार्यक्रम को लेकर उन्होंने थकान की शिकायत भी की थी।

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज 2025: कार्लसन की गैरमौजूदगी में प्रज्ञानानंद खिताब के प्रबल दावेदार

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट शनिवार से शुरू हो रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इस बार नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद खिताब के सबसे बड़े दावेदारों में शुमार हो गए हैं। इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथंबरम भाग ले रहे हैं। कार्लसन की गैरमौजूदगी ने मुकाबले को पूरी तरह खुला बना दिया है और ऐसे में प्रज्ञानानंद की तेजी से खेले जाने वाले फॉर्मेट में सटीकता उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब जीता था, जिससे उनके आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अरविंद चिथंबरम ने प्राग मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन कर यह वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल की है। यह टूर्नामेंट उनके लिए बड़ी परीक्षा की तरह होगा, जहां उन्हें विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का सामना करना है। फ्रांस के अलीरेजा फिरूज़जा को भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं उनके हमवतन मैक्सीम वाचिए-लाग्रेव भी पिछले दशक में फ्रेंच खिलाड़ियों की छवि को आगे बढ़ाने की उम्मीदों के साथ उतरेंगे। पोलैंड के डूडा और अमेरिका के लेवोन अरोनियन भी खिताब की रेस में रह सकते हैं। विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल फॉर्मेट में अपनी रुचि कम होने की बात स्वीकार करते हुए इस टूर्नामेंट से दूरी बना ली है। वे अब 'फ्रीस्टाइल चेस' की ओर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और हाल ही में लगातार दो टूर्नामेंट जीत चुके हैं।

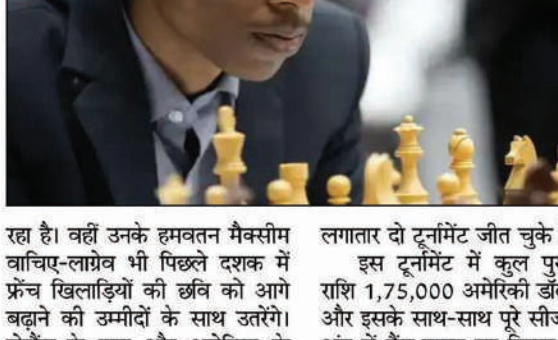

इस टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है, और इसके साथ-साथ पूरे सीजन के अंत में ग्रैंड प्राइज का हिस्सा बनने का मौका भी मिलेगा। हर टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर अंक मिलते हैं, जो अंत में ग्रैंड चेस टूर के विजेता का फैसला करेंगे।

मैड्रिड ओपन: स्वियातेक ने मियामी की हार का लिया बदला, एलेक्स ईला को दी शिकस्त

एजेंसी

मैड्रिड। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में रोमांचक मुकाबले में फिलीपींस की 19 वर्षीय उभरती सितारा एलेक्स ईला को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले महीने मियामी ओपन में ईला से मिली करारी हार के बाद यह जीत स्वियातेक के लिए बदला लेने जैसी रही।मैच की शुरुआत में ईला ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वियातेक की सर्विस तोड़ी और पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। लेकिन इसके बाद स्वियातेक ने अनुभव का फायदा उठाते हुए गेम पर पकड़ मजबूत की और अगले दोनों सेट 6-4, 6-2 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। एलेक्स ईला ने मियामी ओपन में स्वियातेक को सीधे सेटों में हराकर सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने उस टूर्नामेंट में जेलेना ओस्तापेंको और मैडिसन कीज़ जैसी ग्रैंड स्लैम विजेताओं को भी शिकस्त दी थी। हालांकि उनका सफर सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला के हाथों हार के साथ समाप्त हुआ था। इस प्रदर्शन की बदौलत वह टॉप 100 में जगह बनाने वाली पहली फिलिपीना खिलाड़ी बनीं और फिलहाल रैंकिंग में 72वें स्थान पर हैं। दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी और गत विजेता स्वियातेक इस साल अब तक तीन सेमीफाइनल (ऑस्ट्रेलियन ओपन, इंडियन वेल्स, और एक अन्य) तक पहुंच चुकी हैं लेकिन फाइनल नहीं खेल सकी हैं। पिछले हफ्ते स्टटगार्ट में उन्हें जेलेना ओस्तापेंको के हाथों तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

अन्य मुकाबलों में एंड्रीवा और निशिकोरी का जलवा

महिला वर्ग में रूस की मिर्रा एंड्रीवा ने मेरी बौजकोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। ब्राज़ील की बीया हद्दाद मायिया ने पेरा को 2-6, 6-3, 6-1 से मात दी। अमेरिका की केटी वोलिनेट्स को डायना श्नाइडर ने 6-1, 6-2 से हराया जबकि एम्मा नवारो ने माया जॉइंट को 7-5, 7-5 से हराकर जीत दर्ज की।

केई निशिकोरी का 450वां टूर-स्तरीय जीत

पुरुष वर्ग में जापान के पूर्व विश्व नंबर 4 केई निशिकोरी ने अलेक्ज़ेंडर वुकिक को 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर अपने करियर की 450वीं टूर-स्तरीय जीत दर्ज की। उन्होंने कहा, 'मुझे इसका अंदाजा नहीं था। बस एक-एक मैच खेलता हूंज अब तक 18 साल का सफर रहा है, उम्मीद है 500 तक पहुंच जाऊं।÷ उनका अगला मुकाबला 29वीं वरीयता प्राप्त डेनिस शापोवालोव से होगा।

खिलाड़ियों को आवेदन की जरूरत नहीं,अब सरकार खुद देगी इनाम: मनसुख मांडविया

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में डिजीलॉकर के माध्यम से खेल प्रमाणपत्र जारी करने के पहल की शुरुआत की।

इस मौके पर उन्होंने नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च का भी उद्घाटन किया।डॉ. मांडविया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की हर खेल पहल खिलाड़ी-केंद्रित है। उन्होंने बताया कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2024, नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी 2024 और एज फ्रॉड के खिलाफ नेशनल कोड 2025 जैसे कदम सरकार की पारदर्शिता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मांडविया ने ऐलान किया कि डिजीलॉकर से जुड़े खेल प्रमाणपत्र जल्द ही नेशनल स्पोर्ट्स रिपॉजिटरी सिस्टम से जोड़े जाएंगे। इससे खिलाड़ियों को सरकार द्वारा मिलने वाली नकद पुरस्कार राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक खातों में सीधे मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ी को सरकार से इनाम पाने के लिए आवेदन नहीं करना पड़ेगा। जब पूरी दुनिया ने देखा है कि उसने पदक जीता है, तो फिर प्रमाण देने की जरूरत क्यों? मांडविया ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी के रोडमैप का जिक्र किया और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी में भी रुचि दिखाई।

आरसीबी ने घरेलू मैदान पर दर्ज की सीजन की पहली जीत, राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। आईपीएल 2025 के 42वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 11 रनों से शिकस्त दी। यह जीत आरसीबी की इस सत्र में अपने होम ग्राउंड पर पहली है और इसके साथ ही टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की टीम ने 5 विकेट पर 205 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ओपनर्स फिल सॉल्ट (26) और विराट कोहली (70) ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। कोहली ने अपनी 70 रनों की शानदार पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (50 रन) ने विराट के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 105 रनों की अहम साझेदारी की।

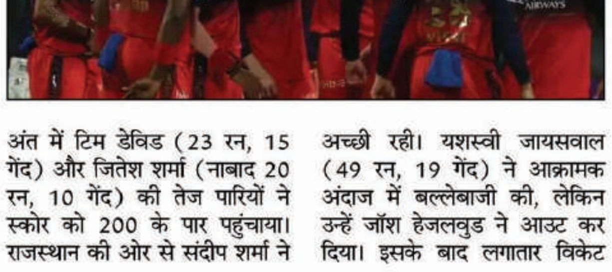

अंत में टिम डेविड (23 रन, 15 गेंद) और जितेश शर्मा (नाबाद 20 रन, 10 गेंद) की तेज पारियों ने स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। राजस्थान की ओर से संदीप शर्मा ने दो विकेट, जबकि हसरंगा और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक विकेट लिया। 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी रही। यशस्वी जायसवाल (49 रन, 19 गेंद) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, लेकिन उन्हें जॉश हेजलवुड ने आउट कर दिया। इसके बाद लगातार विकेट गिरते गए। रियान पराग (22 रन), नीतीश राणा (28 रन) और हेटमायर (11 रन) पिच पर टिक नहीं सके। हालांकि ध्रुव जुरेल (47 रन) ने अंत तक संघर्ष किया, लेकिन जोश हेजलवुड के शानदार 19वें ओवर ने मैच का रुख पूरी तरह आरसीबी की ओर मोड़ दिया। राजस्थान की टीम 20 ओवरों में 9 विकेट पर 194 रन ही बना सकी और मैच 11 रन से हार गई।

आरसीबी के लिए जॉश हेजलवुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए और क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट झटके। भुवनेश्वर कुमार को एक सफलता मिली। इस जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए हैं, और अब वो गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के साथ शीर्ष तीन में शामिल हो गई है।

मुंबई सिटी एफसी ने कलिंगा सुपर कप में चेन्नईयिन एफसी को 4-0 से हराया

भुवनेश्वर। लल्लियनजुआला छांगते के दो गोल के शानदार गोल के दम पर मुंबई सिटी एफसी ने कलिंगा सुपर कप के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में चेन्नईयिन एफसी को 4-0 से हरा दिया।कलिंगा स्टेडियम में बुधवार रात खेले गये मुकाबला का पहला हाफ 1-0 से बराबरी पर समाप्त हुआ। मुंबई सिटी एफसी की ओर से निकोलाओस करेलिस ने (43वें) मिनट पहला गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद लल्लियनजुआला छांगते ने (64वें, 86वें) मिनट में दो गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद सब्सटीट्यूट बिपिन सिंह ने (90वें) में गोलकर मुकाबला 4-0से जीत लिया।लल्लियनजुआला छांगते को उनके शानदार खेल के लिए कलिंगा प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार से नवाजा गया।

सैफ चैंपियनशिप 2025 स्थगित, अब 2026 में होगा आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) ने घोषणा की कि आगामी सैफ चैंपियनशिप 2025 को स्थगित कर अब 2026 में आयोजित किया जाएगा। महासंघ के मुताबिक, प्रतियोगिता को बेहतर और भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए अभी और तैयारियों की आवश्यकता है। हालांकि अभी तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है।

सैफ ने अपने मीडिया बयान में कहा, हमारे सदस्य संघों और साझेदार स्पोर्टफाइव के साथ विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि टूर्नामेंट की सफलता सुनिश्चित करने हेतु इसे 2026 तक के लिए टाल दिया जाए, जिससे सभी संबंधित पक्षों को आयोजन के लिए पर्याप्त समय मिल सके। 2025 संस्करण को शुरू में होम एंड अवे फॉर्मेट में कराने की योजना थी, जिसे बाद में बदलकर श्रीलंका में केंद्रीकृत आयोजन का निर्णय लिया गया था। हालांकि, अब वह योजना भी रद्द कर दी गई है और आयोजन की नई तारीख और स्थान की घोषणा अभी नहीं की गई है। सैफ ने यह भी बताया कि चूंकि 2026 में फीफा वर्ल्ड कप भी आयोजित होगा, इसलिए समय और स्थान के निर्धारण में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी ताकि दोनों टूर्नामेंटों में तालमेल बना रहे।

बयान में आगे कहा गया, हम अपने सभी प्रशंसकों, मीडिया और सदस्य संघों से अनुरोध करते हैं कि वे हमारे साथ सहयोग करें ताकि सैफ चैंपियनशिप को एक प्रतिष्ठित और त्रुटिहीन आयोजन के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में यह टूर्नामेंट भारत में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ था, जहां भारत ने रिकॉर्ड नौवीं बार खिताब जीता था। भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री को उस संस्करण में गोल्डन बॉल (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी) और गोल्डन बूट (सर्वाधिक गोल) से सम्मानित किया गया था।

गफेडरेशन कप: ओडिशा के अनीमेश कुजुर ने 200 मीटर दौड़ में तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी

कोच्चि। ओडिशा के अनिमेष कुजूर ने कोच्चि के महाराजा स्टेडियम में संपन्न राष्ट्रीय महासंघ सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 में पुरुषों की 200 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 20.40 सेकंड में दौड़ को पूरा करते हुए पिछले रिकॉर्ड धारक अमलान बोरगोहेन को पीछे छोड़ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दौड़ पूरी करते ही अनीमेश ने जोरदार गर्जना के साथ अपनी खुशी का इजहार किया। उन्होंने कहा, 100 मीटर में शानदार प्रदर्शन के बाद मुझे यकीन हो गया था कि 200 मीटर में कुछ बड़ा होने वाला है। अनीमेश के कोच मार्टिन ओवेन्स, जो उन्हें ओडिशा रिलायंस सेंटर में प्रशिक्षण देते हैं, ने कहा, यह सफलता लंबे समय से प्रतीक्षित थी। हमें उन एथलीट्स का भी धन्यवाद करना चाहिए जिन्होंने उन्हें प्रेरित किया– मणि, रघुल और अमलान।

ट्रिपल जंप और लॉन्ग जंप में भी रिकॉर्ड की बौछार

वहीं तमिलनाडु के प्रवीण चित्रवेल ने भी ट्रिपल जंप में 17.37 मीटर की छलांग लगाकर न केवल अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की, बल्कि टोक्यो वर्ल्ड्स के लिए क्वालिफाई भी कर लिया। उन्होंने अपनी जर्सी के पीछे '17.20मिनट फॉर माई कोच यॉन्ड्रिस' लिखकर एक भावुक संदेश भी दिया। प्रवीण ने कहा, 'मैं अपनी एड़ी की चोट से जूझ रहा था, इसलिए सिर्फ तीन प्रयासों के बाद रुक गया।' इस स्पर्धा में एशियाई चैंपियन अब्दुल्ला अबूबक्कर ने 16.99 मीटर के साथ रजत पदक जीता। वहीं, लंबी कूद में शैली सिंह ने शानदार 6.64 मीटर की छलांग लगाकर अपनी मेंटर अंजू बॉबी जॉर्ज का 23 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया। एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता एंसी सोजन को 6.46 मीटर के साथ दूसरा स्थान मिला। शैली के कोच रॉबर्ट बॉबी जॉर्ज ने उम्मीद जताई थी कि वह 6.75 मीटर तक जाएंगी। हालांकि शैली उस आंकड़े तक नहीं पहुंच सकीं, लेकिन पिछले दो सालों में यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

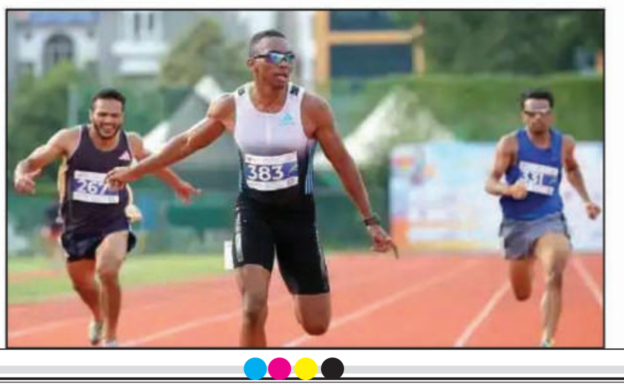

शॉट पुट और जैवलिन में भी चौंकाने वाले नतीजे

शॉट पुट में समरदीप गिल ने 19.34 मीटर की थ्रो के साथ एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता तजिंदरपाल सिंह तूर (18.77 मीटर) को पीछे छोड़ दिया और सभी को चौंका दिया। महिलाओं की भाला फेंक प्रतियोगिता में अन्नू रानी अपनी पूरी लय में नहीं थीं, लेकिन फिर भी उन्होंने आराम से खिताब जीत लिया। फेडरेशन कप का यह संस्करण भारतीय एथलेटिक्स के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। नए रिकॉर्ड, उभरते सितारे और अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी ने इसे यादगार बना दिया है।

तीसरी शादी, एक्स वाइफ श्वेता से अनबन का असर और बेटी

पलक तिवारी

राजा चौधरी ने किए कई खुलासे

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी के एक्स-हस्बैंड राजा चौधरी की सोनी सब टीवी के शो 'तेनाली रामा' में एंट्री हो रही है. इस सीरियल में वो 'चौडप्पा राया' का किरदार निभाने वाले हैं. राजा चौधरी को आखिरी बार सीरियल 'कैसा है ये रिश्ता अंजाना' शो में देखा गया था. इस शो के बाद उन्होंने एक छोटा ब्रेक लिया था. अपनी वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए टाइम्स ऑफ़ इंडिया के साथ की अपनी बातचीत में कहा कि पूरी यूनिट और दोस्तों के साथ दोबारा जुड़कर बहुत अच्छा लग रहा है. इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि उनकी एक्स-वाइफ श्वेता तिवारी के साथ हुई अनबन का असर उनकी प्रोफेशनल जिंदगी पर भी पड़ा है.

राजा चौधरी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मुझे उतना काम मिला, जिसका मैं सही में हकदार था. शायद ये मुझसे जुड़ी निगेटिव पब्लिसिटी की वजह से हुआ. जिन लोगों ने मुझसे कभी मुलाकात भी नहीं की, वे भी मान लेते हैं कि मैं दूसरों के लिए हमेशा समस्याएं खड़ी करता हूं. अगर मैं सच में दूसरों को परेशान करता, तो 'तेनाली रामा' के प्रोड्यूसर मुझे वापस क्यों लाते? हां, दूसरों की मेरे बारे में बनी इस धारणा के कारण मुझे प्रोफेशनल रूप से नुकसान उठाना पड़ा.

शराब छोड़ने के लिए शुरू किया पिकल बॉल

राजा ने अपनी शराब की लत (Alcoholism) के बारे में भी बात की. उन्होंने बताया कि वो अब कुछ समय से सोबर हैं (शराब का सेवन नहीं कर रहे हैं). उन्होंने कहा, शराब की लत मेरी ज़िंदगी में एक बड़ी

समस्या थी, लेकिन मुझे इसका एहसास काफी बाद में हुआ. मैंने पिकलबॉल खेलना शुरू किया, ताकि मैं इस आदत पर काबू पा सकूं. मैंने खुद को इस खेल में पूरी तरह लगा दिया, जिसने मुझे व्यस्त रखा और मेरी लत से लड़ने में मदद की, शुक्र है मैंने इस पर काबू पा लिया है. 2021 से मैं एक सोबर जीवन जी रहा हूं और अब मैं अधिक स्पष्ट रूप से सोच सकता हूं, शांत रह सकता हूं, और खुश हूं.

परिवार ने की मदद

राजा ने अपनी रिकवरी का श्रेय उनके परिवार को भी दिया. वो बोले, मेरे माता-पिता मेरी शराब की लत से परेशान थे. आखिरकार, आप अपने परिवार के लिए जीते हैं, और जब वे आपसे खुश नहीं होते हैं, तो आपको एहसास होता है कि आपको बदलने की जरूरत है. जब मैंने अपनी गलतियों को स्वीकार किया, तब मुझे खुद पर काम करने की ताकत आ गई. मेरा परिवार इस सब में मेरे साथ रहा है. उन्होंने मुझे सपोर्ट किया.

अब शादी नहीं करनी

दो शादियां टूटने के बाद (एक एक्ट्रेस श्वेता तिवारी और दूसरी दिल्ली की कॉर्पोरेट प्रोफेशनल श्वेता सूद के साथ), अब राजा फिलहाल प्यार या शादी की तलाश में नहीं हैं. वो कहते हैं, मैं प्यार और शादी के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन फिलहाल मैं इस बारे में नहीं सोच रहा. अपनी पहली शादी से हुई बेटी, एक्ट्रेस पलक तिवारी के साथ अपने रिश्ते के बारे में उन्होंने कहा, हम अब भी संपर्क में रहते हैं. जब भी उसे अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय मिलता है, वो मुझसे बात करती है और मैं भी ऐसा ही करता हूं. मुझे उस पर बहुत गर्व है.

'रामायण' के 'हनुमान' की बहू थी ये मुस्लिम एक्ट्रेस, पहले सिख फिर हिंदू से रचाई थी शादी

90 के दशक में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली तब्बू ने अपने करियर में अच्छा खासा नाम कमाया था. हालांकि उनकी बड़ी बहन फराह नाज को इस तरह की लोकप्रियता हासिल नहीं हो पाई. फराह ने 80 और 90 के दशक में बॉलीवुड में काम किया था, लेकिन वो बड़ी एक्ट्रेस बनने में नाकाम रहीं.फराह नाज ने अपने दौर में कई फिल्मों में काम किया था, लेकिन वो अपने समय की एक्ट्रेसेस के मुकाबले चर्चा में नहीं रहीं और वो अब एक गुमनाम जीवन जी रही हैं. लेकिन एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ के चलते सुर्खियों में रही हैं. तब्बू जहां आज तक 53 साल की उम्र में भी कुंवारी हैं, तो वहीं फराह ने दो-दो शादी की थी. मुस्लिम धर्म से संबंध रखने वाली फराह ने पहली शादी सिख एक्टर से जबकि दूसरी शादी हिंदू एक्टर से की थी.

1985 में किया एक्टिंग डेब्यू

56 वर्षीय फराह का जन्म 9 दिसंबर 1968 को हैदराबाद में हुआ था. उन्होंने साल 1985 में आई फिल्म 'फासले' से एक्टिंग डेब्यू किया था. इसके बाद एक्ट्रेस के खाते में 'लव 86' और 'नसीब अपना-अपना' जैसी हिट फिल्में आई. फिर उन्होंने 'घर घर की कहानी', 'यतीम', 'रखवाला', 'जवानी जिंदाबाद', 'ईमानदार', 'अचानक' और 'हलचल' जैसी फिल्मों में भी काम किया.

'रामायण' के 'हनुमान' दारा सिंह की बहू थीं फराह

फराह नाज ने अपने करियर के पीक पर शादी करने का फैसला लिया था. मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखने के बावजूद उन्होंने सिख एक्टर विंदु सिंह से साल 1996 में शादी की थी. विंदु दिवंगत पहलवान और रामानंद सागर के धारावाहिक 'रामायण में 'हनुमान' की भूमिका निभाने वाले दारा सिंह के बेटे हैं. शादी के बाद विंदु और फराह एक बेटे फतेह रंधावा के पैरेंट्स बने. लेकिन कपल ने शादी के 6 साल बाद साल 2002 में तलाक ले लिया था.

फिर हिंदू एक्टर से की दूसरी शादी

विंदु सिंह से अलग होने के बाद फराह नाज ने जल्द ही दूसरी शादी करने का फैसला कर लिया था. सिख एक्टर के बाद उन्होंने हिंदू एक्टर सुमीत सहगल को अपना लाइफ पार्टनर चुना. सुमीत बॉलीवुड में काम कर चुके हैं. सुमीत और फराह ने साल 2003 में शादी रचाई थी. अब कपल की शादी को करीब 22 साल बीत चुके हैं. कभी अपनी खूबसूरती के लिए भी चर्चा में रहीं फराह अब काफी बदल चुकी हैं.

जब जूते पहनकर रणबीर कपूर ने कर दी थी ऐसी हरकत, पिता ऋषि कपूर ने जड़ दिया था थप्पड़

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर अपने सख्त मिजाज के लिए भी जाने जाते थे. एक बार उन्होंने अपनी इस सख्ती के चलते बेटे रणबीर कपूर को जोरदार थप्पड़ रसीद कर दिया था. तब रणबीर काफी छोटे थे. हालांकि तब बचपन में अनजाने में रणबीर से एक गलती हो गई थी, जिसे ऋषि कपूर बर्दाश्त नहीं कर सके.रणबीर कपूर अपने पिता ऋषि कपूर के साथ बेहद अच्छा रिश्ता रखते थे. हालांकि अब ऋषि इस दुनिया में नहीं हैं. लेकिन उनसे जुड़े कई किस्से काफी मशहूर हैं. आज ऐसा ही एक किस्सा हम आपको बता रहे हैं, जो खुद रणबीर ने अपने एक इंटरव्यू के दौरान शेयर किया था. दरअसल एक बार बचपन में रणबीर पूजा घर में जूते पहनकर चले गए थे और गुस्से में तब रणबीर को ऋषि ने तमाचा जड़ दिया था.

पूजा घर में जूते पहनकर चले गए थे रणबीर

ये किस्सा उस समय का है जब रणबीर बिल्कुल बच्चे और नादान थे. उन्हें सही गलत का भेद पता नहीं था. तब उनकी उम्र थी 12 साल. एक दिन रणबीर जूते पहनकर अपने घर के पूजा स्थल में चले गए थे, जिससे ऋषि का गुस्सा सातवे आसमान पर था और उन्होंने रणबीर पर तुरंत सारा गुस्सा निकाल दिया.

ऋषि ने रणबीर को मारा थप्पड़

एक इंटरव्यू के दौरान रणबीर ने बचपन की इस घटना को शेयर करते हुए कहा था, मैं अपने पापा का हमेशा से फैन रहा हूं, उनके डिफरेंट किरदारों को देखना मुझे अच्छा लगता है. यूं तो पापा कभी मुझ पर चिल्लाए नहीं लेकिन बचपन में एक बार मुझे बहुत जोर का चांटा मारा था, क्योंकि मैं जूते पहनकर पूजा रूम में चला गया था. तब मैं करीब 12 साल का था.

2007 में हुआ था रणबीर का डेब्यू

रणबीर कपूर ने पिता ऋषि कपूर और मां नीतू कपूर की राह पर चलते हुए साल 2007 में अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत फिल्म 'सावरिया' से की थी. इसमें उनके अपोजिट सोनम कपूर नजर आई थीं. हालांकि ये पिक्चर पिट गई. लेकिन रणबीर ने जल्द ही फैंस के दिलों को जीता और बॉलीवुड के सुपरस्टार कहलाए.

अब रामायण में नजर आएंगे रणबीर

रणबीर ने अपने 18 साल के करियर में 'बर्फी', 'संजू', 'ए दिल है मुश्किल', 'ये जवानी है दीवानी', 'तू झूठी मैं मक्कार', 'ब्रह्मास्त्र-पार्ट वन', 'एनिमल', रॉकस्टार', और 'राजनीति' जैसी शानदार फिल्में दी हैं. अब रणबीर 1 हजार करोड़ के बजट में बन रही फिल्म 'रामायण' में भगवान श्री राम की भूमिका में नजर आने वाले हैं.

वरुण धवन

की 5 सुपरहिट रॉम-कॉम फिल्में, जिन्हें फैमिली या पार्टनर के साथ कहीं भी देख सकते हैं

2012 में करण जौहर की सुपरहिट फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से तीन नए कलाकारों ने डेब्यू किया था, जिनके नाम आलिया भट्ट, सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन हैं. यहां बात वरुण धवन की करें तो उन्होंने सबसे ज्यादा सफल फिल्में दी हैं और अलग-अलग समय में उनका हर तरह का किरदार देखने को मिला. वरुण को हमेशा रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में देखना फैंस पसंद करते हैं.

24 अप्रैल 1987 को मुंबई में जन्में वरुण धवन के पिता मशहूर फिल्म डायरेक्टर डेविड धवन हैं. इस साल वरुण अपना 38वां बर्थडे मना रहे हैं और आने वाले समय में उनकी कई बेहतरीन फिल्में रिलीज भी होने वाली हैं. उन फिल्मों के पहले वरुण की कुछ रोम-कॉम फिल्मों को एक बार फिर देख लेना चाहिए.

वरुण धवन की सुपरहिट रोम-कॉम फिल्में

आज के यंगस्टर्स वरुण धवन को देखना पसंद करते हैं. वरुण ने अपने अभी तक के करियर में कॉमेडी और सीरियस दोनों तरह के किरदारों को निभाया और उसके साथ जस्टिस भी किया है. अगर आप वरुण की कॉमेडी फिल्में पसंद करते हैं तो ये 5 फिल्में भी जरूर पसंद करते होंगे.

'जुग जुग जियो'

24 जून 2022 को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी. फिल्म में वरुण धवन और कियारा आडवाणी की जोड़ी बनी थी और इनके अलावा अनिल कपूर, नीतू कपूर भी अहम किरदारों में थे. फिल्म का निर्देशन राज मेहता ने किया था और इसे करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन में बनाया गया था. ये फिल्म आज आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.

'बद्रीनाथ की दुल्हनिया'

10 मार्च 2017 को रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया था वहीं इसे करण जौहर ने प्रोड्यूस किया था. इस फिल्म में वरुण धवन के साथ आलिया भट्ट नजर आई थीं और फिल्म में भरपूर कॉमेडी के साथ एक सोशल मैसेज भी दिखाया गया था. इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.

'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया'

11 जुलाई 2014 को रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन भी शशांक खैतान ने किया था और करण जौहर ने इसे प्रोड्यूस किया था.

फिल्म में वरुण के साथ आलिया भट्ट ही नजर आई थीं और इस फिल्म में वरुण और आलिया ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बाद पहली बार साथ काम किया था. ये फिल्म भी प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है.

'मैं तेरा हीरो'

4 अप्रैल 2014 को रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन वरुण के पिता डेविड धवन ने ही किया था. फिल्म को एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया था. इस फिल्म में वरुण के अलावा इलियाना डिक्रूज, नरगिस फाखरी और अनुपम खेर अहम किरदारों में नजर आए थे. ये फिल्म आप जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं.

आतंकवाद एक वैश्विक खतरा: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

आतंकी हमला एक भयानक याद दिलाता है कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है: उपराष्ट्रपति

तमिलनाडु
पहलगाम हमले में मारे गए 26 नागरिकों की मौत के बाद से पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। हमले को लेकर नेताओं की प्रतिक्रिया जारी है। अब भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का पहलगाम हमले पर बयान सामने आया है।

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला एक भयानक याद दिलाता है कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है, जिसका समाधान मानवता को एकजुट होकर करना होगा। उन्होंने लोगों से राजनीतिक, व्यक्तिगत और अन्य हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की अपील की।

'भारत दुनिया का सबसे शांतिप्रिय देश'
जगदीप धनखड़ ने आगे कहा, 'भारत दुनिया का सबसे शांतिप्रिय देश है और 'वसुधैव कुटुंबकम' (दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने का सिद्धांत) में परिलक्षित इसकी सभ्यता की भावना वैश्विक स्तर पर गूंज रही है। उपराष्ट्रपति ने राजभवन, उदगमंडलम में तमिलनाडु के राज्य, केंद्रीय और निजी विश्वविद्यालयों के दो दिवसीय कुलपतियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए कहा, 'हमने इस सम्मेलन की शुरूआत में मौन रखा। मैं पहलगाम में हुए जघन्य हमले पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करने में राष्ट्र के साथ हूं, जिसमें निर्दोष लोगों की जान चली गई।'

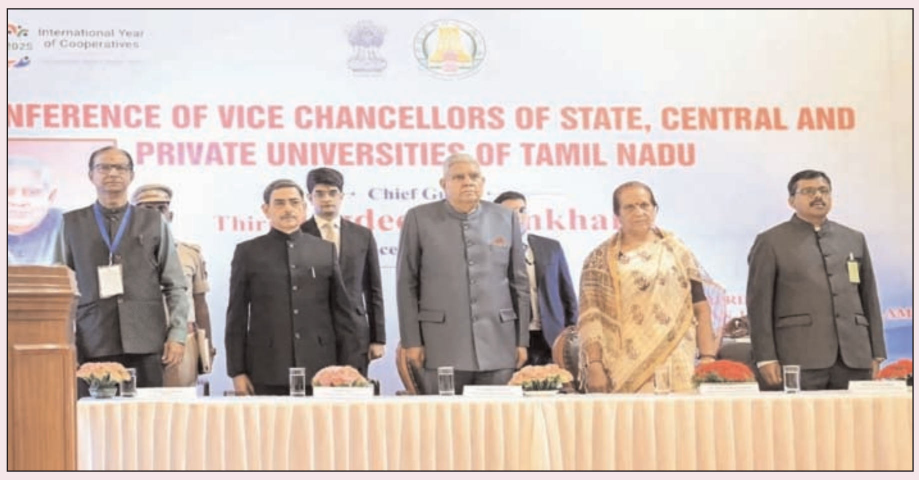

राहुल गांधी ने दिल्ली में निकाला कैंडललाइट मार्च

नई दिल्ली
विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में नई दिल्ली में एक कैंडललाइट मार्च निकाला गया। इसमें उन्होंने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले के निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी एकजुटता जताई। यह मार्च पार्टी मुख्यालय से महात्मा गांधी स्मृति तक निकाला गया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी कि दिल्ली पुलिस ने इस शांति मार्च में हस्तक्षेप किया।

भारत-पाकिस्तान पर यूएन की नजर...

संयुक्त राष्ट्र
पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद गहरा गया है। इस पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र भी सभी परिस्थितियों को बारीकी से देख रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने दोनों देशों की सरकारों से संयम बरतने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र की प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने इसकी पुष्टि की है। उनका कहना है कि यूएन की भारत और पाकिस्तान दोनों पर नजर है। दोनों देशों की सरकारें कोशिश करें की परिस्थिति ज्यादा खराब न हो। दो दिन पहले 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर में जो आतंकी हमला हुआ, उसमें कई आम नागरिकों की जान चली गई। हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों पक्षों से अपील की है कि वो शांतिपूर्ण तरीके से इस परिस्थिति का सामना करें। दरअसल मीडिया से बातचीत के दौरान जब स्टीफन दुजारिक से पहलगाम हमले पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यूएन महासचिव गुटेरेस सीधे तौर पर भारत और पाकिस्तान की सरकारों के संपर्क में नहीं हैं।

'जरूरत पड़ने पर शक्ति दिखाने की है जरूरत'

मुंबई
जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में आतंकियों ने 26 निहत्थे और बेगुनाहों लोगों पर गोली चलाकर उनकी जान ले ली। वहीं, पहलगाम आतंकी हमले पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि देश शक्तिशाली है, ये दिखाने का समय आ गया है। मोहन भागवत ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में लोगों से उनका धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी। लेकिन हिन्दू ऐसा काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा, "हम उम्मीद करते हैं करारा जवाब दिया जाएगा।" संघ प्रमुख ने कहा, "लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। हिन्दू ऐसा काम कभी नहीं करेगा।

युद्ध धर्म और अधर्म के बीच है। हमारे दिल में दर्द है और हम गुस्से में हैं, लेकिन बुराई को नष्ट करने के लिए ताकत दिखानी होगी। रावण ने अपना इरादा नहीं बदला इसलिए राम के पास कोई विकल्प नहीं था। राम ने उसे सुधरना का मौका दिया था और फिर उसके बाद मारा था।"

'जवाबी कार्रवाई की उम्मीद'
मोहन भागवत ने कहा, "अगर हम एकजुट हैं तो कोई भी हमारी ओर बुरी नीयत से देखने की हिम्मत नहीं करेगा और अगर कोई ऐसा करता है तो उसकी आंखें फोड़ दी जाएगी। हमें कड़ी जवाबी कार्रवाई की उम्मीद है।"

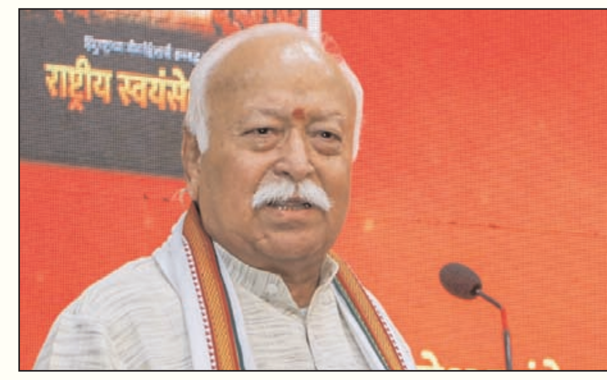

'जरूरत पड़ने पर शक्ति दिखाने की है जरूरत'
संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, "घृणा और शत्रुता हमारे स्वभाव में नहीं है लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी हमारा स्वभाव नहीं है। एक सच्चे अहिंसक व्यक्ति को शक्तिशाली भी होना चाहिए। अगर शक्ति नहीं है तो कोई विकल्प नहीं है। लेकिन जब शक्ति होती है, तो जरूरत पड़ने पर उसका इस्तेमाल भी होना चाहिए।"

पहलगाम आतंकी हमले पर कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने प्रधानमंत्री से की बात
पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद विश्व के कई देशों ने भारत के प्रति समर्थन जताया है। कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की है। सभी ने निर्दोष नागरिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इस हमले की कड़ी निंदा की है। आज श्रीलंका, ब्रिटेन और नीदरलैंड के नेताओं ने प्रधानमंत्री से बात की। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी से बात की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने हमले को जघन्य आतंकवादी कृत्य बताया। उन्होंने भारत के साथ एकजुटता प्रकट की। आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई की प्रतिबद्धता दोहराई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की। उन्होंने हमले को बर्बर और अमानवीय करार दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दी पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर बेसिलिका में पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित की। सम्मान देने के लिए राष्ट्रपति मुर्मु के साथ मंत्री किरेन रिजिजू और राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन भी मौजूद थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रोम पहुंचीं थी। यहां पर वे भारत सरकार और जनता की ओर से शोक व्यक्त करने पहुंची हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उनकी श्रद्धांजलि देते हुए तस्वीरें साझा की हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कैथोलिक धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर हैं। राष्ट्रपति शनिवार को सेंट पीटर स्क्वायर में आयोजित अंतिम संस्कार में शामिल होंगी। इसमें विश्वभर के कई प्रमुख नेता भी उपस्थित रहेंगे।

पोप फ्रांसिस का निधन 21 अप्रैल को हुआ था। उनके निधन पर भारत ने तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की थी। 26 अप्रैल यानी कल अंतिम संस्कार के दिन भी भारत में राजकीय शोक रहेगा।

देश में गर्मी का सितम जारी, ब्रह्मपुरी (विदर्भ) में पारा 45 .5 डिग्री के पार

नई दिल्ली
देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का सितम जारी है। को ब्रह्मपुरी (विदर्भ) में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पूर्वोत्तर और पश्चिमी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, विदर्भ, समीपवर्ती मराठवाड़ा, पूर्वोत्तर झारखंड, पश्चिमी गंगा के तटीय क्षेत्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया। विदर्भ में कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बनी हुई है।

मनसुख मंडाविया ने कियाभारत में खेलों में महिलाओं की भागीदारी और इससे जुड़े लैंगिक मुद्दों पर आधारित एक विस्तृत रिपोर्ट का अनावरण

नई दिल्ली। दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब एनक्सी हाल में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, भारत में खेलों में महिलाओं की भागीदारी और इससे जुड़े लैंगिक मुद्दों पर आधारित एक विस्तृत रिपोर्ट का अनावरण किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय खेल एवं सूचना प्रसारण मंत्री मनसुख मंडाविया, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा विजया रहाटकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह गहन शोध रिपोर्ट देश में महिला खिलाड़ियों के योगदान, उन्हें उपलब्ध अवसरों और उनके समक्ष

आने वाली सामाजिक और संरचनात्मक चुनौतियों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करती है। स्त्री शक्ति एवं क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित इस अनावरण समारोह में क्रीड़ा भारती दिल्ली के अध्यक्ष अर्जुन पुरस्कार विजेता भानु सचदेवा समेत अनेक द्रोणाचार्य एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता कोच और खिलाडी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि आज का भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है और महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। हालांकि, उन्होंने खेद व्यक्त किया कि खेल जगत में महिलाओं को अभी भी कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि सरकार महिला खिलाड़ियों को हर स्तर पर आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए संकल्पित है।

सदर बाजार में फेडरेशन के साथ सभी धर्म के लोगों ने किया आंतकवाद के खिलाफ प्रदर्शन

दिव्या दिल्ली : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में 28 पर्यटकों के मारे जाने व्यापारी जगत में काफी रोष था जिसको लेकर पूरी दिल्ली के आज बाजार बंद थे और साथ ही एशिया की सबसे बड़ी मार्केट सदर बाजार भी पूरी तरह से बंद रहा। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव व पर मेयर जयप्रकाश जेपी भाई की अध्यक्षता में संकड़ों व्यापारियों के साथ-साथ सभी धर्म के लोगों ने मिलकर सड़क धरना प्रदर्शन किया। जिसमें वाहिद खान, सदर खान, आमिर खान, जाने आलम शिवकुमार,श्री नारायण गुप्ता, मुकेश

जैन, मुकेश अग्रवाल आंतकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने बताया सदर बाजार में लगभग 40 हजार दुकाने हैं और आए दिन लाखों व्यापारी यहां पर व्यापार करने आते हैं पूरी तरह से दुकानदारों ने अपनी दुकान बंद करके रोज प्रकट किया। यहां तक की आए दिन रोग लगने वाली रेडी पटरी भी आज नहीं लगी।इस अवसर पर जेपी भाई ने कहा कि पूरा देश में इसको लेकर काफी रोष है और पूरा देश का व्यापारी एकजुट होकर प्रधानमंत्री को भरोसा दिला रहा है वह सरकार के साथ है। सरकार किसी प्रकार के भी कोई कदम उठाना चाहती है तो वह पूरा सरकार का साथ देंगे। सरकार को चाहिए जल्द से जल्द अंततकवाद के खिलाफ खड़े कदम उठाए।परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने बताया सुबह फेडरेशन के ऐलान पर सुबह व्यापारी 12 टूटी चौक पर एकत्रित हुए। जिन्होंने हाथ में तरंगों के साथ-साथ बैनर लिए हुए थे जिस पर लिखा हुआ था दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करो, आंतकवाद के खिलाफ कार्रवाई करो, बे गुनाहों का खून बहाना बंद करो, पाकिस्तान मुर्दाबाद जैसे नारे भी लगा रहे थे।

भूमि अर्पण ने पृथ्वी दिवस पर एनएबी सरोजिनी त्रिलोक नाथ होम फॉर ब्लाइंड में पड़ना प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित

दिव्या दिल्ली : द्वारका सेक्टर-11 में पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी को बढ़ावा के लिए सामाजिक संगठन भूमि अर्पण ने एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया, जो एनएबी सरोजिनी त्रिलोक नाथ होम फॉर द ब्लाइंड में सम्पन हुआ। भूमि अर्पण की अध्यक्षा नीना धवन ने संगठन के उद्देश्य 'धरती माँ को लौटाएं' को दोहराते हुए पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए शिक्षित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड दिल्ली की निदेशक एनटीपीसी एचआर अधिकारी राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता तथा प्रशासन जनसंपर्क प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में वर्षों का अनुभव रखने वाली वीणा मेहता वर्मा उपस्थित रहीं। सुश्री वर्मा ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में कीए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला और पर्यावरण सरंक्षण को सामाजिक दायित्व बताया।

उन्होंने युवाओं से प्रकृति को बचाने की पहल में भाग लेने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में नीति कपूर द्वारा प्रेरक वार्ता, गुरुचरण और सुशील के साथ संगीत व पर्यावरण का संगीतमय मेल, मोनिका जी द्वारा 'प्लास्टिक को ना कहो' विषय पर मार्गदर्शन, पूनम द्वारा 'पुराने कपड़ों का पुनः उपयोग' पर व्यावहारिक प्रस्तुति, ईशा जी द्वारा पर्यावरण कार्यों में सोशल मीडिया की शक्ति के प्रभावी उपयोग करना बताया गया।

मप्र. के शिवपुरी में वायु सेना के लड़ाकू विमान से गिरी भारी वस्तु, जांच के आदेश

नई दिल्ली
भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान से 'एक गैर-विस्फोटक हवाई स्टोर' को मध्य प्रदेश में शिवपुरी के पास एक बिल्डिंग की छत पर अनजाने में गिर गया। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। वायु सेना ने विमान से हवाई स्टोर के अनजाने में गिर जाने से संपत्ति को हुए नुकसान पर खेद व्यक्त किया है और इस घटना की

जांच शुरू कर दी है।
मध्य प्रदेश के पिछोर कस्बे में को सुबह करीब 11 बजे लड़ाकू विमान से 'एक गैर-विस्फोटक हवाई स्टोर' शिक्षक मनोज सागर के घर की छत पर अनजाने में गिर गया। उस समय सागर अपने बच्चों के साथ घर के अंदर खाना खा रहा था और उसकी पत्नी रसोई में थी, तभी तेज धमाके के साथ छत फट गई और आंगन में 8 से 10 फीट गहरा गड्ढा बन गया। इस घटना से घर के दो कमरे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मलबा पास में खड़ी कार पर गिर गया।

धमाके की वजह से आसपास के घरों में भी कंपन महसूस किया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर दी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.31 अरब डॉलर बढ़कर 686.14 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली
देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 अप्रैल को समाप्त हफ्ते में 8.31 अरब डॉलर बढ़कर 686.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने को आंकड़ों के मुताबिक 18 अप्रैल को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.52 अरब डॉलर बढ़कर 578.49 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.57 अरब डॉलर बढ़कर 84.57 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया।

इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.51 अरब डॉलर हो गया।

Action TESA ने दिल्ली में किया कारपेंटर्स मीट का आयोजन

उच्च गुणवत्ता वाले पैनल उत्पादों पर हुई चर्चा, बड़ी संख्या में कारपेंटर्स ने लिया भाग

दिव्या दिल्ली : अग्रणी पैनल उत्पाद निमार्ता Action TESA ने हाल ही में दिल्ली के नजफगढ़ स्थित श्री जी बैंक्वेट में एक विशेष मीटिंग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र के सैकड़ों कारपेंटर्स ने भाग लिया। Action TESA , जो वर्ष 2010 में स्थापित हुई थी, आज पैनल इंडस्ट्री में अपनी

मजबूत पहचान बना चुकी है। मीटिंग के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि अूइङ्गल्ल ळएरअ के उत्पाद पूरे भारत में सप्लाई किए जाते हैं और इनकी क्वालिटी उन्हें अन्य ब्रांड्स से अलग बनाती है। कार्यक्रम में कंपनी के प्रमुख उत्पादों की जानकारी दी गई जिनमें Boilo Board, MDF Board, HDHMR Board सहित दस प्रकार के हाई-क्वालिटी और वॉटरप्रूफ फर्नीचर बोर्ड्स शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि वह पैनल इंडस्ट्री में बेहतरीन क्वालिटी और टिकाऊ उत्पाद प्रदान करने में अग्रणी है। Action TESA की टीम ने उपस्थित कारपेंटर्स को उत्पादों के तकनीकी पक्षों, उपयोग के तरीके और उनकी विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर मौजूद कारपेंटर्स ने कंपनी की पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन न सिर्फ उनके ज्ञान में वृद्धि करते हैं, बल्कि कंपनी और फील्ड वर्कर्स के बीच बेहतर संबंध भी बनाते हैं।

आर्थिक विकास में आईआरएस अधिकारियों की भूमिका अहम: पंकज

नई दिल्ली
केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के पालसमुद्रम स्थित राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नार्कोटिक्स अकादमी में 25 पुरुष और 17 महिला अधिकारियों सहित 42 भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क एवं अप्रत्यक्ष कर) अधिकारी प्रशिक्षुओं के 75वें बैच की पासिंग आउट परेड की अध्यक्षता की।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397